राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# लोक शक्ति

RNI Regn. No.7789/1964 | वर्ष-61 > अंक - 272 | रायपुर | सोमवार 29 सितंबर 2025 विक्रम संवत 2082 | पृष्ठ 8 > मूल्य : 2 रू. | डाक पंजीयन : C.G./RYP DN/71/2023-25

RBI की मौद्रिक नीति की बैठक एक अक्टूबर को, रेपो रेट में कटौती या स्थिरता पर होगा फैसला

छत्तीसगढ़: खदान में मधुमक्खियों का हमला, काम कर रहे 11 कर्मचारी घायल, मची अफरा-तफरी

## पीएम राहत कोष से मिलेगी मदद : करूर हादसे के मृतकों के परिजनों को 2 लाख, घायलों को 50 हजार देंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली एजेंसी

तमिलनाडु के करूर जिले में आयोजित तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) की रैली एक हादसे में बदल गई। रैली में अचानक मची भगदड़ में 38 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। इस दर्दनाक घटना ने पूरे राज्य को शोक में डुबो दिया है। इस हादसे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गहरी संवेदना व्यक्त की है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, पीएम नरेंद्र मोदी ने तमिलनाडु के करूर में राजनीतिक रैली के दौरान हुई दुखद घटना में मारे गए लोगों के परिजनों को पीएम राहत कोष से 2 लाख रुपए की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। वहीं, घायलों को 50 हजार रुपए दिए जाएंगे। इससे पहले, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने भी इस हादसे को बेहद दुखद और पीड़ादायक बताते हुए पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना जताई। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह हादसा अत्यंत दुखद और पीड़ादायक है।

### मन की बात : गांधी जयंती पर की 'स्वदेशी' अपनाने की अपील

# छठ को वैश्विक पहचान दिलाने का संकल्प

नईदिल्ली,एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 126वें एपिसोड के जरिए देश को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने भारत के महापर्व छठ को यूनेस्को (UNESCO) की सूची में शामिल कराने के संकल्प से लेकर गांधी जयंती पर खादी और स्वदेशी उत्पादों को अपनाने का आह्वान किया। साथ ही, उन्होंने नारी शक्ति के पराक्रम और आत्मनिर्भर भारत की प्रेरक कहानियों की भी सराहना की।

पीएम मोदी ने इस बात पर खुशी जताई कि भारत सरकार अब छठ महापर्व को UNESCO की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल कराने के लिए प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा, जब छठ पूजा को यूनेस्को की सूची में जगह मिल जाएगी, तो दुनिया के कोने-कोने में लोग इसकी भव्यता और दिव्यता का अनुभव कर पाएंगे। पीएम ने याद दिलाया कि सरकार के ऐसे ही प्रयासों से कुछ समय पहले कोलकाता की दुर्गा पूजा को भी यह वैश्विक सम्मान प्राप्त हुआ था। उन्होंने कहा कि छठ अब केवल देश का ही नहीं, बल्कि एक वैश्विक त्योहार बन रहा है।

प्रधानमंत्री ने 'स्वर कोकिला' लता मंगेशकर को उनकी जयंती पर भावभीनी श्रद्धांजलि देते हुए उन्हें याद किया। उन्होंने कहा कि लता दीदी के देशभक्ति गीत आज भी प्रेरणा देते हैं और वह हर साल उन्हें राखी भेजना कभी नहीं भूलती थीं। इसी क्रम में उन्होंने 2 अक्टूबर, गांधी जयंती का जिक्र करते हुए देशवासियों से 'स्वदेशी' और खादी अपनाने पर जोर दिया।

उन्होंने कहा, पिछले 11 सालों में खादी की बिक्री में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। मैं आप सभी से अपील करता हूं कि 2 अक्टूबर को कुछ न कुछ खादी उत्पाद जरूर खरीदें और #VocalforLocal के साथ सोशल मीडिया पर गर्व से शेयर करें।

पीएम मोदी ने भारतीय नौसेना की दो महिला अधिकारियों, लेफ्टिनेंट कमांडर दिलना और लेफ्टिनेंट कमांडर रूपा की 'नाविका सागर परिक्रमा' के दौरान दिखाए गए अदम्य साहस की प्रशंसा की। इसके अलावा, उन्होंने देश के उन उद्यमियों की कहानियां भी साझा कीं जो परंपरा और इनोवेशन को मिलाकर आत्मनिर्भर भारत की नई गाथा लिख रहे हैं। उन्होंने बताया कि कैसे अशोक जगदीसन और प्रेम सेल्वराज ने कॉर्पोरेट नौकरी छोड़कर केले के रेशों से योगा मैट बनाए और 200 परिवारों को रोजगार दिया। वहीं, आशीष सत्यव्रत साहू ने 'जोहरग्राम' ब्रांड के जरिए आदिवासी वस्त्रों को वैश्विक मंच तक पहुंचाया है, और मधुबनी की स्वीटी कुमारी ने मिथिला पेंटिंग के माध्यम से 500 से अधिक ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया है।

### पीएम मोदी ने आरएसएस की 100 साल की यात्रा को बताया अद्भुत, 'राष्ट्र प्रथम' भावना को भी सराहा

पीएम मोदी ने 'मन की बात' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आरएसएस 100 साल से 'बिना थके, बिना रुके' राष्ट्र सेवा के कार्य में लगा हुआ है. इसीलिए हम देखते हैं, देश में कहीं भी प्राकृतिक आपदा आए, आरएसएस के स्वयंसेवक सबसे पहले वहां पहुंच जाते हैं. लाखों लाख स्वयंसेवकों के जीवन के हर कर्म, हर प्रयास में राष्ट्र प्रथम की यह भावना हमेशा सर्वोपरि रहती है. उन्होंने कहा, 'अगले कुछ ही दिनों में हम विजयादशमी मनाने वाले हैं. इस बार विजयादशमी एक और वजह से बहुत विशेष है. इसी दिन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के 100 वर्ष हो रहे हैं. एक शताब्दी की ये यात्रा जितनी अद्भुत है, अभूतपूर्व है, उतनी ही प्रेरक है.'

पीएम मोदी ने कहा कि 100 साल पहले जब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना हुई थी, तब देश सदियों से गुलामी की जंजीरों में बंधा था. सदियों की इस गुलामी ने हमारे स्वाभिमान और आत्मविश्वास को गहरी चोट पहुंचाई थी. विश्व की सबसे प्राचीन सभ्यता के सामने पहचान का संकट खड़ा किया जा रहा था. देशवासी हीन-भावना का शिकार होने लगे थे. इसलिए देश की आजादी के साथ-साथ ये भी महत्वपूर्ण था कि देश वैचारिक गुलामी से भी आजाद हो.

## संघ की प्रार्थना में मंत्र का सामर्थ्य : डॉ. मोहन

नई दिल्ली संवाददाता।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि संघ की प्रार्थना सिर्फ शब्द नहीं, बल्कि सामूहिक संकल्प और भाव का प्रतीक है। 1939 से स्वयंसेवक रोज शाखा में इस प्रार्थना का उच्चारण कर रहे हैं। इतने वर्षों की साधना से इसमें मंत्र जैसी शक्ति आ चुकी है। यह केवल कहने की बात नहीं, बल्कि प्रत्यक्ष अनुभव का विषय है।

सरसंघचालक ने कहा कि संघ की प्रार्थना संपूर्ण हिन्दू समाज के ध्येय को व्यक्त करती है। इसमें पहला नमस्कार भारत माता को है, उसके बाद ईश्वर को। इसमें भारत माता से कुछ मांगा नहीं गया, बल्कि उनकी सेवा और राष्ट्र के वैभव की प्रतिज्ञा की गई है। मांगा गया है तो ईश्वर से शक्ति, भक्ति और समर्पण। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रार्थना केवल शब्दों और अर्थ का मेल नहीं है, बल्कि उससे भारत माता के प्रति प्रेम और भक्ति झलकती है। यही भाव इसे मंत्र का सामर्थ्य देता है। मोहन भागवत ने बताया कि शाखा में छोटे-छोटे बाल और शिशु स्वयंसेवक भी प्रार्थना के समय ध्यान और अनुशासन से खड़े रहते हैं। भले ही उन्हें शब्दों का अर्थ न समझ में आए, लेकिन भाव का असर उन पर होता है। उन्होंने कहा, किसी भी शाखा में सबसे चंचल बाल स्वयंसेवक भी प्रार्थना के समय पूरी तन्मयता से खड़ा रहता है। यह भाव की शक्ति है, जिसके लिए किसी विद्वत्ता की जरूरत नहीं होती। डॉ. भागवत ने कहा कि संघ का विश्वास है कि जब पूरा हिंदू समाज अपनी शक्ति का योगदान देगा, तभी भारत माता परम वैभव तक पहुंचेगी। इसके लिए पहले भाव, फिर अर्थ और उसके बाद शब्द की दिशा में बढ़ना होगा। लेकिन अगर गति तेज करनी है, तो शब्द से अर्थ और अर्थ से भाव की ओर भी जाना होगा।

## बिहार चुनाव और उपचुनाव में तैनात होंगे 320 आईएएस अफसरों समेत 470 केंद्रीय पर्यवेक्षक

एजेंसी

नई दिल्ली. चुनाव आयोग (ईसीआई) ने बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव और कुछ राज्यों में उपचुनावों के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षक (सामान्य, पुलिस और व्यय) तैनात करने का फैसला लिया है. आयोग ने विभिन्न राज्यों में सेवाएं दे रहे कुल 470 अधिकारियों को केंद्रीय पर्यवेक्षक के रूप में नियुक्त करने का फैसला किया है. इनमें भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के 320 अधिकारी, भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के 60 अधिकारी और भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) के 90 अधिकारी शामिल हैं. इसके अलावा, आईआरएएस, आईसीएएस जैसी सेवाओं से अधिकारी इसमें शामिल हैं. आयोग के मुताबिक, ये सभी अधिकारी बिहार में होने वाले विधानसभा आम चुनाव और जम्मू-कश्मीर, राजस्थान, झारखंड, तेलंगाना, पंजाब, मिजोरम और ओडिशा में होने वाले उपचुनावों के लिए नियुक्त किए जा रहे हैं. चुनाव आयोग ने एक प्रेस नोट में बताया, बिहार विधानसभा चुनाव और कुछ राज्यों में उपचुनाव के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षकों (सामान्य, पुलिस और व्यय) की तैनाती होगी।

## जिसे जहन्नुम जाना है, वह गजवा ए हिंद के नाम पर अराजकता पैदा करे : योगी

### रहते हिन्दुस्तान में और सपना देखते गजबा-ए-हिंद का

**संवाददाता।** मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ लोग देश और प्रदेश में माहौल बिगाड़ने के प्रयास में है। यह ऐसे लोग हैं जो कि रहते तो हिन्दुस्तान में हैं और सपना गजबा-ए-हिंद का देखते हैं। ऐसे लोगों का रास्ता सीधे नरक को जाएगा।

बलरामपुर की धरती पर जलालुद्दीन ने हिंदुओं को भ्रमित करने के लिए अपना नाम छांगुर बाबा रख लिया था। उसके पाप का घड़ा भरा तो उसका किला नस्तेनाबूद हो गया। उत्सव और त्योहारों में उपद्रव करने वाले लोगों को पहले ही बता दिया है कि यदि व्यापारियों के प्रतिष्ठानों को आगजनी, बहन बेटियों की इज्जत पर हाथ डाला तो सीधे जहन्नुम का टिकट काट देंगे। यदि दुस्साहस करोगे तो पिटोगे जैसे बरेली में पिटे हो।

**बहन बेटियों की इज्जत पर हाथ डाला, तो सीधे नरक का रास्ता**

सीएम ने कहा कि बलरामपुर की धरती पर जलालुद्दीन ने हिंदुओं को भ्रमित करने के लिए अपना नाम छांगुर बाबा रख लिया था। उसके पाप का घड़ा भरा तो उसका किला नेस्तनाबूद हो गया। बहन बेटियों की इज्जत पर हाथ डाला, तो सीधे नरक का रास्ता तय है। अभी जो लोग इसमें (मतांतरण) में लिप्त हैं, देर-सवेर उनका भी हाल छांगुर जैसा ही होना है।

**ड्रोन व चोरी की अफवाह पर चेताया** सीएम ने कहा कि अराजक तत्व ड्रोन व चोरी की अफवाह फैलाकर दहशत का माहौल उत्पन्न कर रहे हैं। ऐसे लोगों पर गैंग्सटर की कार्रवाई के आदेश पहले ही दिए जा चुके हैं। साथ ही उनकी संपत्ति भी जब्त की जाएगी। इसलिए अफवाह फैलाने वाले सावधान हो जाएं। आम जन से अपील किया कि यदि कोई अफवाह के जरिए दहशत फैला रहा हो, तो उसके बारे में पुलिस प्रशासन को सूचित करें। ऐसे लोगों से कायदे से निपटा जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दो दिवसीय दौरे पर शनिवार देर शाम को बलरामपुर पहुंचे। उन्होंने मां पाटेश्वरी मंदिर में रात्रि विश्राम किया और यहां मंदिर की व्यवस्थाओं व नवरात्रि मेले की तैयारियों की जानकारी ली। उन्होंने घूघुलपुर में रविवार को 124 परियोजनाओं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारत माता व मां पाटेश्वरी के जयघोष से संबोधन शुरू करते हुए कहा कि डबल इंजन की सरकार 825 करोड़ की परियोजना दे रही है। इसके बाद सख्त लहजे में कहा कि कुछ लोग रहते हिंदुस्तान में हैं और सपना गजवा-ए-हिंद का देखते हैं।

वह भारत में रहकर राष्ट्रविरोधी गतिविधियों को बढ़ावा दे रहे हैं। ऐसे लोगों का सीधे जहन्नुम का टिकट काट दिया जाएगा। जिन बच्चों के हाथों में कापी-किताबें होनी चाहिए, आज उन हाथों में 'आइ लव मोहम्मद' के पोस्टर व तख्तियां देकर उनकी जिंदगी बर्बाद की जा रही है।

## छत्तीसगढ़ के कांकेर में 3 नक्सलियों को सुरक्षा बलों ने किया ढेर, मुठभेड़ अभी भी जारी

**कांकेर**. छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में सुरक्षा बलों को नक्सलियों के खिलाफ बड़ी कामयाबी मिली है. छिंदखड़क के जंगलों में आज सुबह से जारी मुठभेड़ में तीन नक्सली मारे गए हैं. इनमें एक महिला और दो पुरुष नक्सली शामिल हैं, जिन पर लाखों रुपए के इनाम घोषित थे. मुठभेड़ में मारे गए नक्सलियों के शव बरामद कर लिए गए हैं और इलाके में सर्च ऑपरेशन जारी है. कांकेर एसपी आई. कल्याण एलिसेला ने इस घटना की आधिकारिक पुष्टि की है. जानकारी के अनुसार, डीआरजी-बीएसएफ जवानों की संयुक्त टीम ने छिंदखड़क के पहाड़ी और जंगल क्षेत्र में सर्चिंग के लिए ऑपरेशन शुरू किया था. उसी दौरान नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना मिलने पर दोनों पक्षों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई।

## बिहार :7 नई ट्रेनों के परिचालन का होगा शुभारंभ

लेह एजेंसी।

बिहार को आधुनिक रेल कनेक्टिविटी के क्षेत्र में एक और बड़ी सौगात मिलने जा रही है। श्री सम्राट चौधरी, माननीय उप मुख्यमंत्री, बिहार 29 सितंबर को पटना जं. से 07 ट्रेनों की सौगात बिहार को देंगे, जिनमें 03 अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनें शामिल हैं। रेल सेवाओं में आम जनता की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए माननीय उप मुख्यमंत्री पटना-बक्सर, झाझा-दानापुर, पटना-इसलामपुर तथा शेखपुरा-बरबीघा के रास्ते नवादा से पटना के लिए पैसेंजर ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। शेखपुरा-बरबीघा-बिहार शरीफ के रास्ते नवादा से

पटना के लिए पैसेंजर ट्रेन के चालू हो जाने से बरबीघा-अस्थावां-बिहार शरीफ रेलखंड पर (जिसका पिछले दिनों सीआरएस निरीक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया गया है) ट्रेनों के परिचालन का इस क्षेत्र के लोगों का वर्षों पुराना सपना पूरा हो जाएगा । पटना-इसलामपुर पैसेंजर एवं नवादा-पटना पैसेंजर का परिचालन नई लाइन जट डुमरी-फाजिलचक-तोपसरथुआ-दनियावां के रास्ते किया जाएगा जिससे इस क्षेत्र लोगों को भी ट्रेन की सुविधा उपलब्ध हो जाएगी । इस समारोह में बिहार को एक और महत्वपूर्ण सौगात मिलने जा रही है। माननीय उप मुख्यमंत्री 03 अमृत भारत एक्सप्रेस - मुजफ्फरपुर से हैदराबाद के समीप चर्लपल्ली के मध्य, दरभंगा से अजमेर के समीप मदार जं. के मध्य तथा छपरा से आनंद विहार टर्मिनल के मध्य अमृत भारत ट्रेन का शुभारंभ करेंगे। मुजफ्फरपुर से चर्लपल्ली के चलने वाली अमृत भारत एक्सप्रेस मुजफ्फरपुर से दक्षिण भारत के लिए पहली अमृत भारत ट्रेन होगी जबकि छपरा-आनंद विहार अमृत भारत एक्सप्रेस बिहार से दिल्ली के लिए छठी अमृत भारत ट्रेन होगी ।

**विदेश** | रूसी विदेश मंत्री ने बताया कितने गहरे हैं दोनों देशों के संबंध

## भारत अपने फैसले खुद लेता है और यही उसकी ताकत

एजेंसी।

**वॉशिंगटन** । रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने भारत द्वारा रूसी तेल खरीदने और दोनों देशों के रिश्तों पर बयान देते हुए कहा कि रूस भारत के राष्ट्रीय हितों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश नीति का पूरा सम्मान करता है। उन्होंने कहा कि भारत अपने फैसले खुद लेता है और यही उसकी ताकत है।

लावरोव ने कहा कि भारत और रूस के बीच दशकों पुरानी रणनीतिक साझेदारी है, जिसे दोनों देशों ने अब विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी का नाम दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत और अमेरिका या किसी अन्य देश के रिश्ते भारत-रूस संबंधों का पैमाना नहीं हो सकते।

रूसी विदेश मंत्री ने बताया कि हाल ही में प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की मुलाकात चीन में एससीओ शिखर सम्मेलन के दौरान तिआनजिन में हुई थी। उन्होंने कहा कि इस साल दिसंबर में राष्ट्रपति पुतिन भारत यात्रा पर आएंगे। इस यात्रा के दौरान व्यापार, सैन्य और तकनीकी सहयोग, वित्त, स्वास्थ्य सेवा, उच्च तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, साथ ही एससीओ और ब्रिक्स जैसे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सहयोग जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी।

लावरोव ने भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर की भी तारीफ की और कहा कि हमारे बीच नियमित विचार-विमर्श होता रहता है। इस साल जयशंकर रूस का दौरा करेंगे और मैं भारत का। उन्होंने कहा कि भारत आत्मसम्मान से भरा देश है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि जब तेल आयात पर सवाल उठे थे तो जयशंकर ने साफ कहा था कि अगर अमेरिका हमें तेल बेचना चाहता है तो हम उसकी शर्तों पर चर्चा कर सकते हैं, लेकिन रूस या किसी अन्य देश से क्या खरीदना है, यह भारत का अपना निर्णय है। लावरोव ने कहा कि यह बयान भारत की स्वतंत्र नीति और आत्मसम्मान को दर्शाता है।

## आतंकवादियों को ट्रेनिंग देगी पाक आर्मी, जैश, लश्कर और हिजबुल पर होगा सेना का डायरेक्ट कंट्रोल

वाशिंगटन ,एजेंसी ।

भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर के दौरान तबाह हुए आतंकियों के ठिकानों को एक बार सक्रिय करने के लिए पाकिस्तान ने पूरी ताकत झोंक दी है. इसका पूरा ध्यान जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा और हिजबुल मुजाहिदीन पर है. तीनों आतंकी समूहों के संचालन को बेहतर करने के लिए अब पाकिस्तानी सेना इसके नए रिक्रूट को ट्रेनिंग देगी। जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा और हिजबुल मुजाहिदीन के नए सदस्यों को प्रशिक्षित करने के लिए पाकिस्तानी सेना ने अपने अधिकारियों को तैनात करने का फैसला किया है. इससे पहले पाकिस्तानी सेना द्वारा प्रशिक्षित कमांडर ही आतंकी शिविरों के संचालन की देखरेख करते थे. अब इन आतंकी समूहों के सभी प्रशिक्षण शिविरों का नेतृत्व एक मेजर रैंक का अधिकारी करेगा. इसके अलावा, इन सभी शिविरों को

पाकिस्तानी सेना द्वारा सुरक्षा भी मुहैया कराई जाएगी. इन शिविरों के हर ऑपरेशन पर पाकिस्तानी सेना की सीधी निगरानी होगी. इसके अलावा पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई तकनीकी सहायता भी सुनिश्चित कर रही है. इन सभी आतंकी शिविरों में अत्याधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा. आईएसआई यह सुनिश्चित कर रही है कि नए शिविर पारंपरिक हथियारों की बजाय उच्च तकनीक वाले आधुनिक हथियारों से लैस हों. आईएसआई इन आतंकी समूहों को उच्च तकनीक वाली ड्रोन तकनीक से भी लैस कर रही है. इसके अलावा, ये आतंकी समूह डिजिटल युद्ध के साधनों का भी बड़े पैमाने पर इस्तेमाल करेंगे. पाकिस्तानी सेना के अधिकारी आतंकवादियों की भर्ती से लेकर प्रशिक्षण तक, हर ऑपरेशन की सीधी निगरानी कर रहे हैं और इन आतंकी समूहों को ऐसे हथियार मुहैया कराने की कोशिश की जा रही है जिन्हें सीधे भारत पर दागा जा सके. भविष्य में इन आतंकी समूहों की व्यवस्था में एक बड़े बदलाव का संकेत है. अधिकारियों का कहना है कि इस बदलाव के कई कारण हैं. पहला, आईएसआई नहीं चाहती कि किसी भारतीय अभियान के दौरान इन शिविरों पर फिर से हमला हो. दूसरा, पाकिस्तान चाहता है कि उसके आतंकी समूहों के पास अपने ही देश से भारत पर हमला करने की क्षमता हो.

तीसरा, वह भारतीय सेना का ध्यान इन आतंकी समूहों से भटकाए रखना चाहता है ताकि पाकिस्तानी सेना बलूचिस्तान नेशनलिस्ट आर्मी (बीएलए) और तहरीक-ए-तालिबान (टीटीपी) से आसानी से निपट सके. बलूचिस्तान में सुरक्षा के मामले में पाकिस्तान ने अमेरिका और चीन, दोनों के साथ जो मौजूदा प्रतिबद्धताएं की हैं, उन्हें देखते हुए वह भारतीय सेना के साथ बातचीत करने के बजाय टीटीपी और बीएलए पर ज्यादा ध्यान केंद्रित करना चाहेगा.

अमेरिका के साथ खनिज समझौते पर हस्ताक्षर करने वाले पाकिस्तान पर बलूचिस्तान की सुरक्षा का दबाव है. पाकिस्तान ने चीन से यह भी वादा किया है कि वह चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा परियोजना 2.0 (सीपीईसी) की सुरक्षा सुनिश्चित करेगा और इस प्रतिबद्धता को पूरा करने के लिए उसे टीटीपी और बीएलए, दोनों पर लगाम लगानी होगी. पाकिस्तानी सेना जिस स्थिति में है और उसका नेतृत्व चीन और अमेरिका के साथ अपने संबंधों को लेकर लगातार शोर मचा रहा है, उसे देखते हुए, उसके पास अपनी सुरक्षा गारंटी से पीछे हटने के अलावा कोई विकल्प नहीं है. अमेरिका के साथ खनिज समझौता गिरती अर्थव्यवस्था के कारण पाकिस्तान के लिए महत्वपूर्ण है.

## चीन के पूर्व कृषि मंत्री ने घूस में 315 करोड़ कमाए, अब दो साल में फांसी चढ़ेंगे

एजेंसी।

बीजिंग. चीन के पूर्व कृषि मंत्री तांग रेनजियन को घूस लेने के आरोप में मौत की सजा सुनाई गई है. तांग पर आरोप है कि उन्होंने 2007 से 2024 के बीच सरकारी पद पर रहते हुए अपने प्रभाव का गलत इस्तेमाल किया. उन्होंने प्रोजेक्ट दिलाने, बिजनेस में मदद करने और नौकरियों में बदलाव करवाने जैसे कामों में दूसरों की मदद की और इसके बदले में 268 मिलियन युआन (लगभग 315 करोड़ रुपए) की रिश्वत ली. चीन के चांगचुन शहर की अदालत ने कहा कि तांग का भ्रष्टाचार देश और लोगों के लिए बहुत नुकसानदायक था. इसलिए उन्हें कड़ी सजा दी गई. लेकिन क्योंकि उन्होंने अपना जुर्म कबूल किया, पछताया और अवैध पैसे सरकार को वापस कर दिए, इसलिए

उन्हें थोड़ी नरमी दी गई.

**कैसे सजा से बच सकते हैं तांग?**

तांग को अदालत ने 2 साल की राहत भी है. इसका मतलब है कि अगर वह दो साल तक अच्छा व्यवहार करते हैं, तो उनकी सजा को उम्रकैद में बदला जा सकता है. अदालत ने उनके सभी निजी सामान जब्त कर लिए हैं और घूस के पैसे सरकार के खजाने में जमा करा दिए गए हैं. साथ ही, उन्हें जीवन भर के लिए राजनीति से बाहर कर दिया गया है।

लोकशक्ति www.lokshakti.in

# आईआईटी में आयोजित कार्यक्रम में तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार मंत्री श्री गुरु खुशवंत साहेब हुए शामिल

### प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने किया आईआईटी भिलाई फेस-2 परियोजना का वर्चुअल शिलान्यास

### भारत सरकार ने फेस 2 के लिए 2257.55 करोड़ रुपए किए है मंजूर

रायपुर,संवाददाता

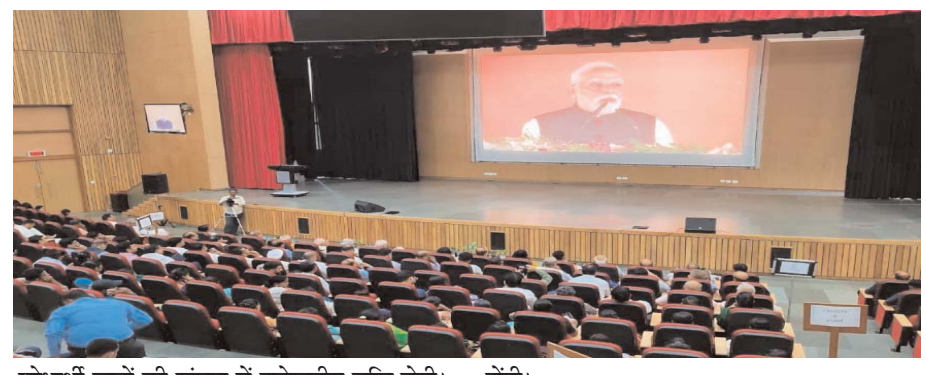

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज झारसुगुड़ा (ओडिशा) में आयोजित कार्यक्रम के दौरान देश के आठ भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) में अधोसंरचना विकास कार्यों का वर्चुअल शिलान्यास किया। इनमें आईआईटी भिलाई के फेस-2 परियोजना भी शामिल है। अन्य सात संस्थानों में आईआईटी पटना, आईआईटी इंदौर, आईआईटी जोधपुर, आईआईटी तिरुपति, आईआईटी पलक्कड़, आईआईटी धारवाड़ और आईआईटी जम्मू सम्मिलित हैं। इस अवसर का सीधा प्रसारण आईआईटी भिलाई परिसर के नालंदा व्याख्यान कक्ष में किया गया। समारोह में छत्तीसगढ़ के कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार तथा अनुसूचित जाति विकास मंत्री श्री गुरु खुशवंत साहेब और अहिवारा के विधायक श्री डोमनलाल कोर्सेवाड़ा उपस्थित रहे।

मंत्री श्री गुरु खुशवंत साहेब ने अपने उद्बोधन में कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा आठ आईआईटी परियोजनाओं का शिलान्यास होना पूरे देश और छत्तीसगढ़ के लिए गौरव की बात है। इससे प्रदेश में तकनीकी शिक्षा का विस्तार होगा और नवाचार को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आईआईटी भिलाई के फेस-2 निर्माण पूर्ण होने पर शोधार्थी छात्रों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

**फेस-2 परियोजना : तकनीकी शिक्षा और नवाचार की नई दिशा**

भारत सरकार ने 29 मई 2025 को फेस-2 निर्माण के लिए 2,257.55 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं, जिनमें से 1,092 करोड़ रुपये परिसर निर्माण पर व्यय होंगे। इस चरण में 1 लाख 51 हजार 343 वर्ग मीटर का अतिरिक्त क्षेत्र विकसित किया जाएगा, जिसमें नए इंजीनियरिंग और विज्ञान विभाग, अत्याधुनिक प्रयोगशालाएँ, आईसीटी सक्षम व्याख्यान कक्ष और प्रोटोटाइप सुविधाएँ शामिल होंगी।

छात्र संख्या 1,500 से बढ़कर 3,000 हो जाएगी। परियोजना में छात्रावास, मेस हॉल, खेल परिसर, ओपन एयर थिएटर, कैंटीन, खेल मैदान, टेनिस कोर्ट, आवासीय भवन, स्वास्थ्य केंद्र और शॉपिंग कॉम्प्लेक्स जैसी सुविधाएँ भी जोड़ी जाएंगी। फेस-2 की सबसे महत्वपूर्ण पहल छत्तीसगढ़ का पहला अनुसंधान पार्क है, जिसकी स्थापना 96 करोड़ रुपये की लागत से की जाएगी। इस परियोजना को अक्टूबर 2028 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

## जल जीवन मिशन: पहाड़ी कोरवा ग्राम राजपुर हुआ हर घर जल श्रेणी में शामिल

### विशेष पिछड़ी जनजाति के 69 परिवारों को घरेलू नल कनेक्शन के माध्यम से मिल रही है शुद्ध पेय जल

**जशपुरनगर ।** जशपुर जिला मुख्यालय से लगभग 70 कि.मी. दूरी पर स्थित भितघरा पंचायत का छोटा सा गांव राजपुर, जिसकी आबादी 247 जिनमें मुख्यतः पहाड़ी कोरवा विशेष पिछड़ी जनजाति का निवास है। इस गांव में जल जीवन मिशन के अंतर्गत 2 उच्च स्तरीय एकल ग्राम योजना के द्वारा सभी 69 ग्रामीण परिवारों को उनके घरों तक क्रियाशील घरेलू नल कनेक्शन के माध्यम से शुद्ध पेय जल आपूर्ति की जा रही है।

विदित हो कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने जिले के विशेष पिछड़ी जनजाति के लोगों को शासन की सभी योजनाओं को लाभ शत् प्रतिशत देने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने दूरस्थ अंचल में निवासरत जनजाति समुदाय के लोगों को किसी भी प्रकार से शासन की योजनाओं से वंचित न होना पड़े इसके लिए शासन और प्रशासन स्तर पर हर संभव पहल करने के लिए कहा है। इसी कड़ी में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग जशपुर के उपखण्ड बगीचा के सहायक अभियंता श्री अभिषेक गुप्ता एवं उप अभियंता श्री विकास एक्का द्वारा ग्राम राजपुर पर विशेष ध्यान देकर योजना को शीघ्र पूर्ण कराया गया एवं कार्य पूर्ण होने पर इस ग्राम का हर घर जल कार्यक्रम भी कर लिया गया है ।

हितग्राही करूणा दास और वहां के ग्रामवासी का कहना है कि जल जीवन मिशन के आने से पूर्व वे कुंआ से पानी भरते थे जो कि बस्ती से लगभग 500 मी. दूर नीचे ढलान पर है। जहां से पानी लाना बहुत ही कठीन था। अब घर में नल लगने से पानी भरने कहीं नहीं जाना पड़ता।

# ढोलीदा की ताल पर झूमी यूनिवर्सिटीः नवरात्रि के रंग में रंगा श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी

### पारंपरिक दीप प्रज्वलन से हुई शुरुआत, दो-ताली और तीन-ताली गरबा में विद्यार्थियों व स्टाफ ने बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा

**रायपुर (लोकशक्ति)।** ÷ढोलीदा.. ढोलीदा.. चोगाड़ा तारा छबीला तारा रँगीला ताराज÷ की मनमोहक धुन पर जब कदम थिरके, तो रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी में सांस्कृतिक उत्सव अपने चरम पर पहुंच गया। नवरात्रि के पावन अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में एक भव्य रास गरबा समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों और स्टाफ सदस्यों ने पारंपरिक वेशभूषा में उमंग और उल्लास के साथ भाग लिया।

उत्सव की शुरुआत दीप प्रज्वलन और देवी दुर्गा की आराधना के साथ हुई, जिसमें विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने सहभागिता की। इस आध्यात्मिक शुरुआत ने पूरे आयोजन को भक्ति, ऊर्जा और सांस्कृतिक एकता से भर दिया।

इसके बाद, दो-ताली और तीन-ताली गरबा की पारंपरिक शैलियों में सभी ने गोल घेरे में नृत्य किया। लोकप्रिय बॉलीवुड गीत जैसे ÷ढोल बाजे÷, ÷चोगाड़ा÷, ÷ढोलीदा÷ आदि की धुनों पर कदम थिरकते गए और पूरा परिसर एक जीवंत उत्सव स्थल में तब्दील हो गया।

विद्यार्थियों के रंग-बिरंगे परिधान, गरबा की लयबद्ध थाप, और स्टाफ की भागीदारी ने इस आयोजन को एक यादगार अनुभव बना दिया। इस आयोजन ने विश्वविद्यालय में सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और सामुदायिक भावना को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया।

## कक्षा 7 की छात्रा से छेड़छाड़ का आरोप, फरार शिक्षक के खिलाफ पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज

**बलरामपुर, संवाददाता।** बलरामपुर जिले के वाड्रफनगर चौकी क्षेत्र अंतर्गत झोर स्थित पूर्व माध्यमिक शाला में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जिसमें विद्यालय के शिक्षक घूरन पटेल पर कक्षा 7 की छात्रा के साथ छेड़छाड़ का गंभीर आरोप लगा है। यह मामला न केवल शिक्षा जगत को झकझोर रहा है, बल्कि स्थानीय समुदाय में भारी आक्रोश और चिंता का कारण भी बन गया है।

आरोप है कि शिक्षक घूरन पटेल ने विद्यालय परिसर में छात्रा के साथ आपत्तिजनक हरकत की, जिससे छात्रा मानसिक रूप से बहुत भयभीत हो गई। डर के कारण वह त्रैमासिक परीक्षा में भी शामिल नहीं हो पाई। घर जाकर छात्रा ने पूरी आपबीती अपनी बड़ी बहन को बताई और स्कूल जाने से मना कर दिया। छात्रा के परिजनों ने घटना की शिकायत तुरंत पुलिस में दर्ज कराई। पुलिस ने शिक्षक के खिलाफ पोक्सो एक्ट, एससी/एसटी (अत्याचार निवारण) अधिनियम और आईपीसी की छेड़छाड़ से संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

वाड्रफनगर पुलिस ने जानकारी दी है कि आरोपी शिक्षक घटना के बाद से फरार है और उसका मोबाइल भी बंद आ रहा है। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि आरोपी को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

इस घटना को लेकर पीड़ित परिवार के साथ-साथ ग्रामीणों में भी भारी आक्रोश है। ग्रामीणों ने शिक्षक को तुरंत गिरफ्तार कर सख्त सजा देने की मांग की है।

# गरबा कार्यक्रम को लेकर विवाद, हिंदू संगठनों ने किया विरोध प्रदर्शन

**अम्बिकापुर,।** छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले के अंबिकापुर में गरबा आयोजन को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। स्थानीय निजी होटलों में प्रस्तावित गरबा कार्यक्रम का हिंदू संगठनों ने जोरदार विरोध किया है। आयोजकों द्वारा सोशल मीडिया और पोस्टरों के माध्यम से प्रचारित किए गए इस कार्यक्रम में सोशल मीडिया सेलिब्रिटी एल्विस यादव और अंजलि अरोड़ा को आमंत्रित किया गया था। इसी को लेकर विरोध तेज हो गया। हिंदू संगठनों ने कार्यक्रम को ÷संस्कृति के खिलाफ÷ बताते हुए आयोजन के पोस्टर को जलाया और जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि गरबा एक धार्मिक और सांस्कृतिक पर्व है, जिसे अश्लीलता और व्यावसायिकता से जोड़कर उसका अपमान किया जा रहा है। प्रदर्शन कर रहे संगठनों ने आरोप लगाया कि कुछ होटल संचालक गरबा के नाम पर युवाओं को गुमराह कर रहे हैं और ऐसे आयोजनों से गरबा की पवित्रता पर प्रश्नचिह्न लग रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कार्यक्रम को रद्द नहीं किया गया तो वे उग्र आंदोलन करेंगे। प्रशासन को दिए गए ज्ञापन में मांग की गई है कि होटलों में आयोजित ऐसे कार्यक्रमों पर रोक लगाई जाए ताकि धार्मिक भावनाएं आहत न हों और सामाजिक माहौल शांतिपूर्ण बना रहे।

# कलेक्टर ने की राजस्व अमले की समीक्षा, डिजिटल क्रॉप सर्वे व धान उपार्जन की तैयारी पर दिया जोर

### 0 खसरा-नक्शा अद्यतन, बटांकन कार्य व आधार सीडिंग शीघ्र करने के निर्देश

### 0 शासकीय भूमि पर अतिक्रमण पाए जाने पर सख्त कार्यवाही की चेतावनी

धमतरी, संवाददाता

कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने जिले के राजस्व निरीक्षकों एवं पटवारियों के कार्यों की गहन समीक्षा करते हुए राजस्व व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं पारदर्शी बनाने के निर्देश दिए। यह समीक्षा बैठक बीते दिन लाइवलीहुड कॉलेज परिसर में आयोजित की गई, जिसमें विभागीय कार्यों की प्रगति, अभिलेखों के अद्यतन, नक्शा बटांकन, डिजिटल हस्ताक्षर, आधार सीडिंग, अभिलेख शुद्धता एवं कृषकों के पंजीयन जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में अपर कलेक्टर इंदिरा देवहारी, एसडीएम नभ सिंह कोशले, प्रीति, तहसीलदार, सभी राजस्व निरीक्षक, पटवारी एवं नवीन सिंह सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि डिजिटल क्रॉप सर्वे को प्राथमिकता से पूर्ण किया जाए। जिन ग्रामों में किसी कारणवश डिजिटल सर्वे नहीं हो पाया है, वहां मैनुअल गिरदावरी कर सॉफ्टवेयर में प्रविष्टि सुनिश्चित की जाए, ताकि कोई भी कृषक आगामी धान उपार्जन से वंचित न रहे।

उन्होंने एग्रीस्टेक पोर्टल में सभी पंजीकृत कृषकों का कार्य शीघ्रता से पूर्ण करने तथा अपंजीकृत कृषकों का त्वरित पंजीयन करने पर विशेष जोर दिया। साथ ही खसरे एवं नक्शों में पाई जाने वाली विसंगतियों को तत्काल दूर करने, लंबित बटांकन कार्य को शीघ्र पूरा करने तथा खातेदारों का आधार सीडिंग और मोबाइल नंबर प्रविष्टि का गुणवत्तापूर्ण निराकरण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सख्त लहजे में कहा कि गांवों की शासकीय भूमि पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यदि कोई व्यक्ति सरकारी भूमि पर अतिक्रमण करता है तो संबंधित अधिकारी तत्काल कार्यवाही करें। साथ ही यह भी स्पष्ट किया कि यदि कोई पटवारी या निरीक्षक विधि विरुद्ध कार्य अथवा शासकीय भूमि के अवैध अंतरण में संलिप्त पाया गया, तो उसके विरुद्ध कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। बैठक में अच्छे कार्य करने वाले पटवारियों एवं निरीक्षकों की प्रशंसा की गई, वहीं प्रगति में पीछे रहने वाले अधिकारियों को सुधार हेतु चेतावनी दी गई।

## सुरगी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में 35 लोगों ने किया रक्तदान

**राजनांदगांव।** प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सुरगी मे रक्तदान शिविर जिला चिकित्सालय राजनांदगांव एवं लाईफ लाईन ब्लड सेन्टर राजनांदगांव तथा राजनांदगांव ग्रामीण पूर्व मंडल भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित किया गया। रक्तदान शिविर मे लोगो ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लेकर 35 लोगों के द्वारा रक्त दान दिया गया।

रक्तदान देने वाले के हेलमेट, प्रमाण पत्र वितरण डॉ.श्वेता बंसोड, डॉ. तिजेन्द्र वर्मा,लीलाधर साहू, श्रीमती प्रतिमा चंद्राकर, जिला पंचायत सदस्य देवकुमारी साहू.शिविर के सफल बनाने में मेघनाथ भूआर्य, हेमन्त ठाकुर आर, बाजपेयी,विनय राजपूत, दीपचंद साहू जयकुमार राय यश साहू,बेबी शशी मेश्राम, यामिनी देशमुख,प्रीतम ठाकुर,आर कोर्याम, संतोष गोसाई आदि ने अपनी सेवाए दी।

# स्वस्थ नारी सशक्त परिवार के तहत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सुरगी में 123 गर्भवती माताओ का जांच एवं नि :शुल्क दवाई वितरण

**राजनांदगांव।** प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सुरगी में स्वस्थ नारी सशक्त परिवार के अंतर्गत प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान का 24, 25,26 सितंबर 2025 तीन दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया।25 सितंबर को गर्भवती, बी.पी. शुगर जांच कर निःशुल्क दवाई वितरण किया गया। 25 सितंबर को 18 ग्राम पंचायतो स्वच्छता दीदियो 23 को स्वास्थ्य जांच कर नि :शुल्क दवाई वितरण किया गया।26 सितंबर को महिला प्रस्तुति विशेषज्ञ डॉक्टर मिताली दुवानी द्वारा गंभीर लक्षण वाले गर्भवती माताओ जांच किया गया एवं खान-पान संबंधित एवं स्वास्थ्य संबंधित परामर्श दिया गया। तीन दिनों तक स्वस्थ नारी सशक्त परिवार के तहत 123 गर्भवती माताओ का जांच कर निःशुल्क दवाई वितरण किया गया।26 सितंबर को महिलाओं का खुर्शी दौड़ आयोजित किया गया। 27 सितंबर को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सुरगी में रक्तदान शिविर जिला चिकित्सालय राजनांदगांव एवं लाइफ लाइन ब्लड सेंटर राजनांदगांव एवं राजनांदगांव ग्रामीण पूर्व मंडल भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित किया गया। जिसमें 35 लोगों द्वारा रक्तदान दिया गया।शिविर का सफल बनाने में डॉक्टर श्वेता बंसोड़, डॉ. तेजेंद्र वर्मा,मेघनाथ भुआर्य, बेबी शशि मेश्राम, यामिनी देशमुख, दीपचंद साहू,जय राम, विनय राजपूत, भगवती मांडवी, यश कुमार साहू, श्रीमती प्रतिमा चंद्राकर अध्यक्ष जनपद पंचायत,श्रीमती देव कुमारी जिला पंचायत सदस्य, पप्पू चंद्राकर,लीलाधर साहू,गुरु चरण सिन्हा आदि मौजूद रहे।

# चैतन्य देवियों की झांकी का अवलोकन करने पूर्व सीएम रमन सिंह के पुत्र अभिषेक पहुंचे

राजनांदगांव।

ब्रह्माकुमारीज द्वारा आयोजित चैतन्य देवियों की झांकी का अवलोकन करने के पश्चात सदभावना दीप प्रज्वलित करते हुए पूर्व सांसद भ्राता अभिषेक सिंह सेवाकेंद्र संचालिका ब्रह्माकुमारी पुष्पा बहन , तरुण लहरवानी , मुरलीधर सोमानी भाई एवं अन्य अतिथियों द्वारा किया गया।

# मोहबाबाजार स्कूल के सामने मुख्य मार्ग में लगभग 12 ठेले हटाये, 4 ठेले जप्त किये

**टीम प्रहरी अभियान अंतर्गत निगम जोन 8 ने मोहबाबाजार से गुढियारी मार्ग में व्यवसायिक भवन में अतिरिक्त निर्माण पर कार्यवाही की**

**रायपुर** – आज टीम प्रहरी अभियान अंतर्गत रायपुर जिला कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के आदेषानुसार एवं नगर निगम रायपुर के आयुक्त श्री विष्वदीप , वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह के निर्देषानुसार चलाये जाने वाले अभियान के अंतर्गत रायपुर नगर निगम के जोन 8 अंतर्गत क्षेत्र में अभियान जोन 8 जोन कमिष्नर श्रीमती राजेष्वरी पटेल के मार्ग निर्देष पर कार्यपालन अभियंता श्री अतुल चोपडा, सहायक अभियंता श्री अनुराग पाटकर, उपअभियंता श्री अबरार खान की उपस्थिति में कार्यवाही करते हुए मोहबाबाजार स्कूल के सामने मुख्य मार्ग को कब्जा मुक्त करवाते हुए लगभग 12 ठेले हटाये गये 4 ठेलो को व्यवस्था सुधार हेतु कडाई करते हुए जप्त करने की कार्यवाही की गई। जोन 8 क्षेत्र में टीम प्रहरी अभियान अंतर्गत मोहबाबाजार से गुढियारी जाने वाले मुख्य मार्ग में एक व्यवसायिक पसिर में किये गये नक्षा स्वीकृति विपरीत अतिरिक्त निर्माण को हटाने की कार्यवाही अभियान पूर्वक की गई। ऊपरी तल पर अभियान चलाकर अतिरिक्त निर्माण को गैस कटर मषीन की सहायता से तोडने की कार्यवाही नगर निगम मुख्यालय नगर निवेष उडनदस्ता की टीम और नगर निगम जोन 8 नगर निवेष विभाग की टीम ने संयुक्त रूप से पुलिस प्रषासन बल की उपस्थिति में की ।

# निगम जोन 9 ने जोरा बाजार मार्ग को कब्जा मुक्त किया

**7 ठेले 2 हाथ ठेला, 12 बोर्ड जप्त किये 0**

**रायपुर** – आज नगर निगम रायपुर के आयुक्त श्री विष्वदीप के आदेषानुसार एवं जोन 9 जोन कमिष्नर श्री संतोष पाण्डेय के निर्देषानुसार कार्यपालन अभियंता श्री शरद ध्रुव, श्री अंषुल शर्मा सीनियर, सहायक अभियंता श्री सैय्यद जोहेब, उपअभियंता श्री अतुल बंसल की उपस्थिति में नगर निगम जोन 9 नगर निवेष विभाग द्वारा जोन क्षेत्र अंतर्गत जोरा बाजार मार्ग में अभियान चलाकर जनहित में जनसुविधा हेतु सुगम आवागमन देने मार्ग को कब्जा मुक्त करने कार्यवाही की । अभियान के दौरान 7 अवैध ठेले, 2 हाथ ठेले, 12 बोर्ड जोरा बाजार मार्ग में जप्त करने की कार्यवाही की गई।

# सुधारकर शीघ्र व्यवस्थित तरीके से यथास्थान लगायी जाएगी

**नगर निगम जोन 4 ने जनशिकायत पर पुलिस लाईन और कालीबाड़ी चैक के सामने मार्गविभाजक से टूटी हुई ग्रिल निकलवाई,**

**रायपुर** - रायपुर नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 4 द्वारा जनशिकायत पर जोन क्षेत्र अंतर्गत कालीबाड़ी चैक और पुलिस लाईन के सामने मुख्य मार्ग में मार्ग विभाजक की टूटी हुई ग्रिल को तत्काल नगर निगम आयुक्त श्री विश्वदीप के निर्देश पर जोन 4 जोन कमिश्नर श्री अरुण ध्रुव, कार्यपालन अभियंता श्री शेखर सिंह के मार्गनिर्देशन में निकलवाई गयी है। टूटी हुई ग्रिल में आवश्यक सुधार एवं मरम्मत कार्य शीघ्र करवाकर उसे नगर निगम जोन 4 द्वारा व्यवस्थित रूप से यथास्थान लगा दिया जायेगा।

# युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने हेतु भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान द्वारा प्रशिक्षण का आयोजन

**रायपुर।** लाइवलीहुड कॉलेज, जोरा (रायपुर) में उद्यमिता विकास केंद्र द्वारा सूक्ष्म उद्यम विकास कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। यह एक दिवसीय कार्यक्रम छत्तीसगढ़ शासन के वाणिज्य एवं उद्योग विभाग तथा भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (EDII), अहमदाबाद के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ सहायक जिला परियोजना अधिकारी ऋचा पाठक द्वारा किया गया। उद्घाटन अवसर पर जिला उद्योग केंद्र रायपुर के प्रबंधक संदीप वर्मा, डेविड देशमुख (Ph.D शोधकर्ता), अभिषेक मैत्री (Pd.D शोधकर्ता), विक्की प्रसाद (Ph.D शोधकर्ता), तथा भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान से सीनियर प्रोजेक्ट ऑफिसर अरविंद कुमार द्विवेदी, डॉ. संदीप यादव (प्रोजेक्ट ऑफिसर) और हिमांशु कुमार (प्रोजेक्ट ऑफिसर) उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं और इच्छुक प्रतिभागियों को सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (M¤SM¤E) क्षेत्र में स्वरोजगार एवं उद्यमिता के अवसरों के लिए तैयार करना था। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को उद्यमिता, व्यवसाय योजना निर्माण, विपणन रणनीतियाँ, वित्तीय प्रबंधन, शासकीय योजनाएँ एवं डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म के उपयोग जैसी महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान की गईं। कार्यक्रम के दौरान विशेष रूप से संदीप वर्मा ने विभिन्न शासकीय योजनाओं पर विस्तार से जानकारी साझा की। इस अवसर पर अरविंद कुमार द्विवेदी ने कहा÷ ÷यह कार्यक्रम स्थानीय स्तर पर आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इसका उद्देश्य युवाओं को रोजगारदाता बनने के लिए प्रेरित करना है ताकि वे आत्मनिर्भर बनें और अपना स्वयं का व्यवसाय शुरू कर सकें।÷ यह पहल युवाओं में उद्यमिता की भावना को बढ़ावा देने और स्वरोजगार के नए अवसर सृजित करने की दिशा में एक सशक्त कदम साबित होगी।

# इशरे रायपुर चैप्टर ने सफलतापूर्वक आयोजित किया रीजिनल चैप्टर कॉनक्लेव व TVC25 टॉक ऑन विकसित छत्तीसगढ़

**रायपुर।** रायपुर, 26–27 सितम्बर :- इशरे रायपुर चैप्टर द्वारा आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम के प्रथम दिन प्रथम सत्र में द्वितीय रीजनल चैप्टर्स कॉन्फ्रेंस (RCC) का आयोजन सफ लता पूर्वक हुआ। इस महत्त्वपूर्ण कार्यक्रम में ईशरे के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयन्त कुमार दास और आरडी अमरेंद्र गोस्वामी के साथ गुवाहाटी, रांची, भुवनेश्वर, कोलकाता और दिल्ली से डेलीगेट्स उपस्थित रहे। रेजिनल कॉनक्लेव में आगामी कार्ययोजनाओं पर चर्चा के साथ वर्तमान स्थिति का जायज़ा लिया गया।

कार्यक्रम में ऊर्जा दक्षता, सुरक्षा नियम, और नवीन HVAC/R तकनीकों पर तकनीकी सत्र शामिल रहे, जबकि पैनल डिस्कशन ने पाइपलाइन परियोजनाओं, एनर्जी मॉनिटरिंग और स्मार्ट बिल्डिंग्स जैसी अहम विषयों पर बहस महत्त्वपूर्ण चर्चा की गई । स्थानीय कंपनियों के साथ गहन बातचीत के लिए ब्रेकआउट सत्र भी आयोजित किए गए, और छत्तीसगढ़ी नृत्य-गीत व लोककला के प्रदर्शन ने डेलीगेट्स को राज्य की समृद्ध संस्कृति से अवगत कराया। नेटवर्किंग फ्रेमवर्क के अंतर्गत भविष्य के संयुक्त अवसरों और कंसोर्टियम पिचों पर भी चर्चा हुई।

समापन समारोह में TVC25 का आयोजन किया गया । इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में क्रेडा अध्यक्ष श्री भूपेंद्र सवन्नी व अपैक्स बैंक के अध्यक्ष श्री केदार गुप्ता उपस्थित रहे ।

उन्होंने इस कार्यक्रम के सफल आयोजन की रायपुर चैप्टर के प्रेसिडेंट सिद्धांत शर्मा को बधाई दी व भविष्य में छत्तीसगढ़ के विकास के लिए ishare को हर संभव सहयोग देने का वादा किया। इस आयोजन ने राज्य की पर्यटन और कला-उद्योग को बढ़ावा देने के उद्देश्य को भी बल दिया, और प्रतिभागियों ने अगले ऋष्ट के लिए सुझाव साझा किए। रायपुर चैप्टर के अध्यक्ष सिद्धांत शर्मा ने टीम,स्पॉन्सर्स और डेलीगेट्स को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता सभी के लिए प्रेरणा बनकर रहेगी।

## नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष का सस्पेंस खत्म, कांग्रेस के 5 पार्षदों ने बदल दिया पूरा खेल

**संदीप साहू राजधानी रायपुर के नगर निगम में संभालेंगे नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी**

रायपुर, रायपुर नगर निगम में लंबे समय से चल रहा नेता प्रतिपक्ष के पद का घमासान फिलहाल खत्म होता नजर आ रहा है, क्योंकि बिते दिनों इस मामले में बड़ा फैसला हुआ है, जिसके बाद यह तय हो गया है कि कांग्रेस के पार्षद संदीप साहू ही नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी संभालेंगे। वहीं आकाश तिवारी के नाम की अटकलें फिलहाल शांत हो गई है. क्योंकि कांग्रेस के 8 में से 5 पार्षदों ने संगठन की राय को दरकिनार करते हुए वर्तमान नेता प्रतिपक्ष संदीप साहू को ही समर्थन दिया है, जिसके बाद संदीप साहू ही राजधानी रायपुर के नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी संभालेंगे. टिकट नहीं मिलने पर लड़े निर्दलीय चुनाव,अब भुगतना पड़ा खामियाजा दरअसल, छत्तीसगढ़ नगरीय निकाय चुनाव के दौरान कांग्रेस नेता आकाश तिवारी को पार्टी ने पार्षद का टिकट नहीं दिया था, ऐसे में उन्होंने निर्दलीय चुनाव लड़ा और जीत हासिल की थी।

# दुकानदारो को प्रतिदिन दुकान का सूखा गीला कचरा पृथक डस्टबीन में रखकर सफाई मित्र को देकर स्वच्छता बनाये रखने हिदायत दी गई

**स्वच्छोत्सव अंतर्गत स्वच्छता ही सेवा अभियंता अंतर्गत नगर निगम जोन 7 स्वास्थ्य विभाग ने**

**साइंस कालेज चैपाटी के दुकानदारो एवं नागरिको के मध्य स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाया 0**

**0 जोन 8 स्वास्थ्य विभाग ने रायपुरा मुख्य मार्ग एवं सत्यम विहार में विषेष सफाई अभियान चलाया 0**

**रायपुर** – प्रदेष के नगरीय प्रषासन एवं विकास विभाग के निर्देषानुसार नगर पालिक निगम रायपुर में सभी 10 जोनो के समस्त 70 वार्डो में स्वच्छोत्सव अंतर्गत स्वच्छता ही सेवा अभियान अंतर्गत प्रतिदिन विविध सकारात्मक स्वच्छता गतिविधियां महापौर श्रीमती मीनल चैबे, स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष श्रीमती गायत्री सुनील चंद्राकर, आयुक्त श्री विष्वदीप के निर्देष पर की जा रही है।

अभियान के अंतर्गत आज नगर निगम जोन 7 स्वास्थ्य विभाग द्वारा जोन क्षेत्र अंतर्गत साइंस कालेज चैपाटी में सफाई मित्रो के सहयोग से दुकानदारो व नागरिको के मध्य स्वच्छता को लेकर जनजागरण अभियान चलाया गया और दुकानदारो को प्रतिदिन दुकान का सूखा व गीला कचरा पृथक पृथक डस्टबीन में रखकर नियमित रूप से सफाई मित्र को सफाई वाहन में देकर स्वच्छता बनाये रखने की हिदायत दी गई। जागरूकता अभियान नगर निगम जोन 7 के जोन कमिष्नर श्री राकेष शर्मा के मार्गदर्षन एवं जोन स्वास्थ्य अधिकारी श्री आत्मानंद साहू की उपस्थिति में चलाया गया।

इसी क्रम में आज नगर निगम जोन 8 द्वारा स्वच्छोत्सव अंतर्गत स्वच्छता ही सेवा अभियान अंतर्गत जोन 8 क्षेत्र में माधव राव सप्रे वार्ड क्रमांक 69 के रायपुरा मुख्य मार्ग में सफाई मित्रो एवं स्वच्छता दीदियो के सहयोग से सघन सफाई अभियान चलाकर कचरा उठाकर स्वच्छता कायम की गई एवं रायपुरा मुख्य मार्ग सहित सत्यम विहार में जनहित में जनस्वास्थ्य सुरक्षा हेतु अभियान जोन 8 जोन कमिष्नर श्रीमती राजेष्वरी पटेल के मार्ग निर्देष पर जोन स्वास्थ्य अधिकारी श्री गोपीचंद देवांगन स्वच्छता निरीक्षक श्री रितेष झा की उपस्थिति में चलाया गया। स्वच्छता कायम कर रायपुरा मुख्य मार्ग व सत्यम विहार क्षेत्र में जन-जन को स्वच्छ मार्ग का सकारात्म स्वच्छता संदेष स्वच्छोत्सव के तहत दिया गया।

# कलिंगा विश्वविद्यालय, फार्मेसी संकाय ने विश्व फार्मासिस्ट दिवस मनाया

रायपुर ।

अकादमिक उत्कृष्टता में अग्रणी संस्थान, कलिंगा विश्वविद्यालय, फार्मेसी संकाय ने 25 सितंबर 2025 को विश्व फार्मासिस्ट दिवस मनाया। यह कार्यक्रम फार्मेसी पेशे और दवाओं के सुरक्षित, प्रभावी और तर्कसंगत उपयोग को सुनिश्चित करने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका को मान्यता देने के लिए आयोजित किया गया था।

विश्व फार्मासिस्ट दिवस प्रत्येक वर्ष 25 सितम्बर को मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य स्वास्थ्य सेवा में फार्मासिस्टों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालना तथा बेहतर स्वास्थ्य परिणामों में उनके योगदान को बढ़ावा देना है।

इस वर्ष के समारोह का विषय था ÷स्वास्थ्य के बारे में सोचें, फार्मेसी के बारे में सोचें÷, जिसमें वैश्विक स्वास्थ्य चुनौतियों से निपटने के लिए फार्मासिस्टों को स्वास्थ्य रणनीतियों में एकीकृत करने के महत्व पर बल दिया गया। इस अवसर पर स्वास्थ्य एवं कल्याण शिविर, महिला स्वास्थ्य जांच और बुनियादी जीवन समर्थन प्रशिक्षण (सीपीआर) का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह कार्यक्रम श्री मेडीशाइन अस्पताल के सहयोग से आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन श्री मेडीशाइन हॉस्पिटल की डॉ. नेहा पगारे, डॉ. पूनम गुप्ता और

उनकी टीम ने किया। यह कार्यक्रम फार्मेसी संकाय के प्राचार्य डॉ. संदीप प्रसाद तिवारी के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया था। कार्यक्रम का संचालन सुश्री खुशबू गुप्ता, श्री प्रांजुल श्रीवास्तव ने डॉ. संदीप कुमार मिश्रा, डॉ. इंदुलता कंवर, श्री स्मृति रंजन दाश, श्री नैमिष नंदा, श्री मृत्युंजय भांजा, श्री आयुष्मान रॉय, डॉ. रूपाली भारती साव, श्री दीपेश कुमार, श्री प्रबीन कुमार मिशाल, सुश्री रश्मी सिन्हा, सुश्री सलोनी साव, श्री दीपक भद्रे सहित आयोजन समिति के साथ किया। इस कार्यक्रम में 200 छात्रों तथा 20 संकाय सदस्यों ने भाग लिया। कलिंगा विश्वविद्यालय उन सभी फार्मासिस्टों को शुभकामनाएं देता है जो अपना जीवन समर्पित करते हैं और चिकित्सा और उपचार के बीच सेतु का काम करते हैं!

## निगम जोन 9 स्वास्थ्य विभाग ने दुबे कॉलोनी मोवा में डस्टबिन नहीं मिलने और गन्दगी फैलाने पर दुकानदार पर किया 2000 रूपये ई जुर्माना

रायपुर -

आज नगर निगम रायपुर को जनशिकायत मिलने पर नगर निगम आयुक्त श्री विश्वदीप के निर्देश पर जोन 9 जोन कमिश्नर श्री संतोष पाण्डेय के मार्गनिर्देशन में जोन स्वास्थ्य अधिकारी श्री बारोन बंजारे और स्वच्छता निरीक्षक श्री भोला तिवारी ने जोन अंतर्गत दुबे कॉलोनी मोवा में स्क्रैप्स ट्रेडर्स दुकान की स्वच्छता व्यवस्था का आकस्मिक निरीक्षण किया. निरीक्षण के दौरान प्राप्त जनशिकायत सही मिली और डस्टबिन नहीं पाया और गन्दगी फैलाना पाया गया. इस पर जोन कमिश्नर के निर्देश पर जोन स्वास्थ्य अधिकारी ने स्क्रैप्स ट्रेडर्स दुकान के संचालक पर भविष्य के लिए कड़ी चेतावनी देते हुए 2000 रूपये ई जुर्माना किया।

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

## संपादकीय

# भारत की बढ़ती ख्याति

भारत में अब दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सड़क नेटवर्क है। यात्रा की अवधि भी काफी घट गई है। भारत के वि में ऑटोमोबाइल बाजार में प्रमुख स्थान हासिल करने के पीछे उस प्रतिबद्धता का भी योगदान है, जिसके तहत देश के कचरा प्रबंधन के तौर-तरीके बदले हैं। कचरे का इस्तेमाल सड़क बनाने की सामग्री में किए जाने से यह भी संपदा में बदल कर देश को आगे बढ़ा रहा है।हाइड्रोजन ट्रक लॉन्च कर ही चुका है, और अनेक मागरे पर इसकी पायलट परियोजनाएं चल रही हैं। भारत का लक्ष्य हरित परिवहन में दुनिया का नेतृत्व करना है। प्रमुख वाहन निर्माता कंपनियों टाटा मोटर्स, अशोक लीलैंड और रिलायंस तथा इंडियन ऑयल जैसी तेल कंपनियों के सहयोग से सरकार ने हाइड्रोजन उत्पादन के बुनियादी ढांचे को गति देने के लिए भारी-भरकम अनुदान दिया है। वर्तमान में भारत ने आइसोब्यूटेनॉल और बायो-बिटुमेन जैसे नये ईंधन विकल्पों के मामले में भी उल्लेखनीय प्रगति की है।

## मलयालम सिनेमा के गौरव मोहनलाल को दादा साहब फाल्के पुरस्कार

भारत सरकार ने वर्ष 2023 के लिए मलयालम सिनेमा के महान अभिनेता मोहनलाल को भारतीय सिनेमा के सर्वोच्च सम्मान, दादा साहेब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित करने की घोषणा की है। यह खबर मिलते ही न केवल उनके प्रशंसकों, बल्कि पूरी मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में खुशी की लहर दौड़ गई है। यह सम्मान मोहनलाल के चार दशक से भी लंबे करियर और भारतीय सिनेमा में उनके असाधारण योगदान का प्रतीक है।

मोहनलाल, जिनका पूरा नाम मोहनलाल विश्वनाथन नायर है, का जन्म 21 मई 1960 को पथानमथिट्टा, केरल में हुआ था। उन्होंने अपने अभिनय करियर की शुरुआत 1978 में 'थिरानोट्टम' नामक फिल्म से की थी, लेकिन उनकी पहली रिलीज़ 1980 में आई 'मंजिल विरिंजा पुक्कल' थी, जिसमें उन्होंने एक खलनायक की भूमिका निभाई थी। इस फिल्म में उनके दमदार प्रदर्शन ने उन्हें तुरंत पहचान दिलाई और इसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। अपनी बहुमुखी प्रतिभा और सहज अभिनय से उन्होंने भारतीय सिनेमा में एक अमिट छाप छोड़ी है। उनके अभिनय में इतनी गहराई और सहजता है कि वे किसी भी किरदार को जीवंत कर देते हैं, यही कारण है कि उनके प्रशंसक उन्हें प्यार से 'लालेट्टन' (प्रिय) कहते हैं। अपने चार दशक से भी लंबे करियर में, मोहनलाल ने 400 से ज़्यादा फिल्मों में काम किया है। उन्होंने न केवल मलयालम सिनेमा में बल्कि तमिल, तेलुगु, हिंदी और कन्नड़ सिनेमा में भी अपनी अदाकारी का जलवा बिखेरा है। उनकी कुछ यादगार फिल्मों में 'थनमाथरा', 'इरुवर', 'दृश्यम' और 'ल्यूसिफर' शामिल हैं, जिन्होंने उन्हें देश-विदेश में अपार लोकप्रियता दिलाई। उनकी असाधारण प्रतिभा और समर्पण के कारण उन्हें 'द कंप्लीट एक्टर' की उपाधि भी दी गई है। यह उपाधि उनकी कला के प्रति उनके गहरे समर्पण और उनके हर किरदार में पूर्णता लाने के जुनून को दर्शाती है।

मोहनलाल को पहले भी कई बड़े सम्मानों से नवाज़ा जा चुका है। उन्हें पाँच राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिल चुके हैं, जिनमें दो बार सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार शामिल है। इसके अलावा, उन्हें भारत सरकार द्वारा वर्ष 2001 में पद्म श्री और 2019 में पद्म भूषण से भी सम्मानित किया जा चुका है। ये सम्मान उनके असाधारण करियर और भारतीय सिनेमा में उनके योगदान का प्रमाण हैं।

दादा साहेब फाल्के पुरस्कार की घोषणा होते ही मोहनलाल ने इसे केवल अपना नहीं, बल्कि पूरी मलयालम फिल्म इंडस्ट्री का सम्मान बताया। यह खबर मिलने के बाद जब वे कोच्चि पहुँचे, तो उन्होंने सबसे पहले अपनी माँ शांताकुमारी अम्मा का आशीर्वाद लिया। हवाई अड्डे पर मीडिया से बात करते हुए, वे भावुक हो गए और कहा, ÷यह सम्मान सिर्फ मेरा नहीं, बल्कि पूरे मलयालम सिनेमा का है। मैं इसे उस इंडस्ट्री को समर्पित करता हूँ, जिसने मुझे आकार दिया और उन सभी को, जिन्होंने मेरे 48 साल के लंबे सफर में मेरा साथ दिया।÷ उन्होंने इस पुरस्कार को अपने जीवन की सबसे बड़ी खुशी बताते हुए कहा कि यह आने वाली पीढ़ियों को बड़े सपने देखने और कड़ी मेहनत करने की प्रेरणा देगा। उन्होंने यह भी कामना की कि मलयालम सिनेमा और भी ऊँचाइयाँ हासिल करे। यह बयान उनकी विनम्रता और अपनी जड़ों के प्रति उनके गहरे सम्मान को दर्शाता है।

दादा साहेब फाल्के पुरस्कार भारतीय सिनेमा का सर्वोच्च सम्मान है। इसकी शुरुआत 1969 में की गई थी, जो ÷भारतीय सिनेमा के विकास और वृद्धि में उत्कृष्ट योगदान÷ के लिए दिया जाता है। इस पुरस्कार का नाम भारतीय सिनेमा के जनक धुंडीराज गोविंद फाल्के के नाम पर रखा गया है, जिन्होंने 1913 में भारत की पहली फीचर फिल्म 'राजा हरिश्चंद्र' का निर्देशन किया था। **यह निजी विचार है।**

# जीवनधारा नदियों के लुप्त होने का खतरा : संरक्षण का संकल्प

**ललित गर्ग**
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

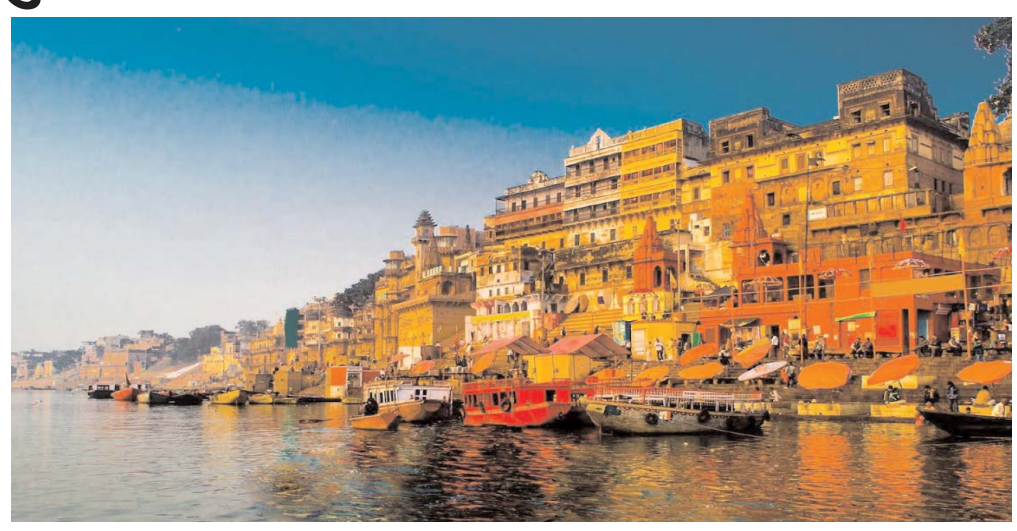

नदियां मात्र जलधाराएं नहीं हैं, वे जीवन की धमनियां हैं, सभ्यता की जननी हैं और प्रकृति का शाश्वत उपहार हैं। मानव सभ्यता का इतिहास गवाह है कि हर संस्कृति और हर महान नगरी का उदय नदियों के तट पर हुआ। गंगा, सिंधु, नील, अमेज़न, यांग्त्सी जैसी नदियाँ केवल भूगोल का निर्माण ही नहीं करतीं, बल्कि कृषि, व्यापार, परिवहन, ऊर्जा, आस्था और संस्कृति को भी दिशा देती हैं। विश्व स्तर पर हर वर्ष सितंबर के चौथे रविवार को मनाया जाने वाला विश्व नदी दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि नदियां हमारी अस्तित्व-रेखा हैं और उनका संरक्षण करना किसी विकल्प का नहीं बल्कि हमारे जीवन के अस्तित्व का प्रश्न है। 2005 में, संयुक्त राष्ट्र के 'जीवन के लिए जल दशक' की शुरुआत के उपलक्ष्य में, नदी अधिवक्ता मार्क एंजेलो ने विश्व नदी दिवस के गठन का प्रस्ताव रखा। यह अंतर्राष्ट्रीय प्रयास कनाडा में 1980 में एंजेलो द्वारा शुरू किए गए बीसी नदी दिवस की सफलता से प्रेरित था। विश्व नदी दिवस नदियों के महत्व को रेखांकित करता है और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नदियों की बेहतर देखभाल-संरक्षण-संवर्धन का समर्थन करते हुए जन जागरूकता बढ़ाने का प्रयास करता है। इस वर्ष की थीम 'हमारी नदियाँ, हमारा भविष्य' है, जो नदियों की रक्षा, जल अधिकारों को बनाए रखने और नदी प्रबंधन में स्थानीय समुदायों की आवाज को सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर केंद्रित है।

संयुक्त राज्य अमेरिका का लगभग 65 प्रतिशत पेयजल नदियों से आता है, इसी तरह भारत सहित अनेक देशों में पेयजल का मुख्य स्रोत नदियां ही है। नदियां हमें बिजली पैदा करने, फसलों को पानी देने और पीने योग्य पानी उपलब्ध कराती हैं। यही कारण है कि एम्स्टर्डम, बैंकॉक और बर्लिन जैसे समृद्ध शहर नदियों के किनारे बसे हैं। दुर्भाग्य यह है कि जिन नदियों ने हमें जीवन दिया, हमने उन्हीं को प्रदूषण और विनाश की गर्त में धकेल दिया। औद्योगिक इकाइयों का रासायनिक कचरा, नगरों का गंदा पानी, प्लास्टिक और घरेलू अपशिष्ट ने नदियों को गटर में बदल दिया है। अंधाधुंध बांध निर्माण और जलविद्युत परियोजनाओं ने उनकी प्राकृतिक धारा को बाधित किया है। धार्मिक आस्थाओं और अंधविश्वासों के नाम पर मूर्तियों और अस्थियों का विसर्जन नदियों की पवित्रता को विषाक्त बना रहा है। जलवायु परिवर्तन और ग्लेशियरों के पिघलने से नदियों के अस्तित्व पर संकट गहरा रहा है। भारत में गंगा, यमुना, चंबल, साबरमती जैसी नदियां इस प्रदूषण और शोषण का शिकार हैं, वहीं विश्व स्तर पर अमेज़न, नील और डेन्यूब जैसी नदियां भी प्रदूषण और अत्यधिक दोहन की मार झेल रही हैं। पृथ्वी की आबादी का एक बड़ा हिस्सा अपनी जीविका के लिए मछलियों पर निर्भर है, इसलिए हमें औद्योगिक कचरे के कारण नदियों के क्षरण को सक्रिय रूप से रोकने और पानी के नीचे के पारिस्थितिकी तंत्र का संतुलन बनाए रखने की आवश्यकता है।

नदियां केवल जल का स्रोत नहीं बल्कि जीव-जंतुओं और वन्य जीवन की धुरी हैं। असंख्य मछलियां, कछुए, पक्षी और जलीय प्राणी नदियों से अपना जीवन पाते हैं। जब नदी प्रदूषित होती है तो यह जैवविविधता समाप्त होने लगती है, खेत बंजर हो जाते हैं, भूजल स्तर गिर जाता है और प्रकृति का संतुलन बिगड़ने लगता है। नदियों की मृत्यु वास्तव में पृथ्वी/सृष्टि की मृत्यु है। इन परिस्थितियों में यह आवश्यक है कि नदियों के संरक्षण को हम केवल सरकारी योजनाओं या नीतियों तक सीमित न रखें, बल्कि इसे जनांदोलन का रूप दें। प्रदूषण पर कठोर नियंत्रण, जल प्रबंधन, वर्षा जल संचयन, शोधन संयंत्रों की अनिवार्यता और सामाजिक जागरूकता ही वे उपाय हैं जिनसे नदियों को नया जीवन दिया जा सकता है। गंगा एक्शन प्लान और नमामि गंगे जैसी योजनाएँ तभी सार्थक होंगी जब समाज ईमानदारी से अपने हिस्से का कर्तव्य निभाएगा। नदियों को गंदा करना आत्मघात है और उन्हें बचाना जीवन रक्षा का संकल्प।

भारत में कई नदियां सूखने या प्रदूषित होने के कारण मरने के कगार पर हैं। इन नदियों की हालत इतनी खराब हो गई है कि कुछ तो नालों में बदल गई हैं और उनका नदी होना भी मुश्किल है। तेजी से बढ़ते प्रदूषण, तथाकथित भौतिकवादी सोच एवं नदियों के प्रति उपेक्षा एवं दोहन के कारण कई नदियां अब 'मृत' होने की कगार पर है। गंगा और यमुना जैसी पवित्र नदियां भी दुनिया की प्रदूषित नदियों में शामिल हो चुकी है। नदियां के अत्यधिक खतरे में होने से मानव जीवन, पर्यावरण एवं प्रकृति भी संकट में है। जरूरत है मानसूनी जल को नदियों से जोड़ने एवं संरक्षित करने की। देश में सर्वत्र नदियों का अस्तित्व खतरे में है। विशेषतः उत्तर प्रदेश में नदियों की संख्या लगभग 1,000 है, जिनका 55 हजार किलोमीटर का नेटवर्क है। उनमें से 30 हजार किलोमीटर क्षेत्र में जल घटा है या सूखा है। प्रदेश की 100 छोटी और सहायक नदियां सूख चुकी हैं। बिहार की 50 से अधिक नदियां संकट में हैं। इनमें 32 बड़ी नदियां सूख चुकी हैं, जबकि 18 में पानी थोड़ा बचा है। यमुना नदी भारत की सबसे प्रदूषित नदियों में से एक है और यह अत्यधिक प्रदूषण और पानी के अत्यधिक दोहन के कारण मरने के कगार पर है। साहिबी नदी, जो कभी दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान की एक महत्वपूर्ण नदी थी। हैरानी की बात है कि गंगा, सोन और अघवारा जैसी बड़ी नदियों में भी पानी कम है। उत्तराखंड में अल्मोड़ा-हल्द्वानी की लाइफलाइन कोसी और गौला नदियों का जलस्तर कम हो रहा है।

जलवायु परिवर्तन के कारण वर्षा के तरीकों में बदलाव आया है, जिससे कुछ क्षेत्रों में सूखे की स्थिति बढ़ गई है और नदियों में पानी का प्रवाह कम हो गया है। नदियों से रेत का अवैध खनन भी नदियों के पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान पहुंचा रहा है और नदियों के बहाव को बदल रहा है। जंगलों की कटाई से मिट्टी का कटाव बढ़ रहा है, जिससे नदियों में गाद जमा हो रही है और उनकी गहराई कम हो रही है। भारत नदियों का एक अनोखा देश है जहां नदियों को पूजनीय माना जाता है। गंगा, यमुना, महानदी, गोदावरी, नर्मदा, सिंधु (सिंधु), और कावेरी जैसी नदियों को देवी-देवताओं के रूप में पूजा जाता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शासन में बनाया गया जल शक्ति मंत्रालय, नदी घाटियों में आर्द्रभूमि के पुनरुद्धार और संरक्षण और नदी प्रदूषण के खतरनाक स्तर से निपटने पर ध्यान केंद्रित करता है। देश के समक्ष वाटर विजन 2047 प्रस्तुत किया गया है यानी आजादी के सौ वर्ष पूरे होने तक देश को प्रत्येक वह कार्य करना है, जो देश को पानी के मामलों में सबल बना सके। इसमें हमारी नदियां भी शामिल हैं।

नदियां मानव अस्तित्व का मूलभूत आधार है और देश एवं दुनिया की धमनियां हैं, इन धमनियों में यदि प्रदूषित जल पहुंचेगा तो शरीर बीमार होगा, लिहाजा हमें नदी रूपी इन धमनियों में शुद्ध जल के बहाव को सुनिश्चित करना होगा। नदियों को राष्ट्रीय संपत्ति घोषित किये जाने की जरूरत है। देश में नदी जल एवं नदियों के लिए कानून बने हुए है, आवश्यक हो गया है कि उस पर पुनर्विचार कर देश के व्यापक हित में विवेक से निर्णय लिया जाना चाहिए। हमारे राजनीतिज्ञ, जिन्हें सिर्फ वोट की प्यास है और वे अपनी इस स्वार्थ की प्यास को इस पानी से बुझाना चाहते हैं। यह किसी से छिपा नहीं है कि हमारे देश में गर्मी और लू के दिन जहां बढ़ रहे हैं, वहीं बरसात के दिन घटते जा रहे हैं। ऐसे में मानसूनी वर्षा के जल को यदि सलीके से नहीं सहेजा गया तो देश की सामाजिक-आर्थिक-प्राकृतिक स्थिति पर जल-संकट का बड़ा घातक प्रभाव होगा।

विश्व नदी दिवस हमें यह चेतावनी देता है कि यदि नदियां सूख जाएंगी, प्रदूषित हो जाएंगी या विलुप्त हो जाएंगी तो मानव सभ्यता का अस्तित्व भी खतरे में पड़ जाएगा। नदियां हमारी जीवनरेखा और सांस्कृतिक धरोहर हैं, उनका संरक्षण करना ही आने वाली पीढ़ियों के लिए जीवन और आशा को बचाना है। यह अवसर हमें यह संकल्प लेने का आह्वान करता है कि हम नदियों को केवल उपयोग की वस्तु न समझें, बल्कि जीवित प्राणी की तरह उनका सम्मान करें, क्योंकि नदी बचेगी तो जीवन बचेगा, नदी बहेगी तो संस्कृति बहेगी।

**यह निजी विचार है।**

# नरियरा की समृद्ध संस्कृति में कला और संगीत का बहुत बड़ा हाथ रहा

**सुरेश सिंह बैस शाश्वत**

बिलासपुर के समीप स्थित ग्राम नरियरा का सांस्कृतिक और कला संगीत के क्षेत्र में बड़ा समृद्ध इतिहास रहा है। इस गांव में अनेक सिद्ध हस्त और प्रसिद्ध कलाकारों ने जन्म लिया, पर दुर्भाग्य से जिनको वैसी प्रसिद्धि और शोहरत नहीं मिल पाई, जैसी उन्हें मिलनी चाहिए थी। चूंकि उन दिनों नरियरा एक छोटा सा और अछूता सा गांव था। यहां पहुंचने के लिए ना तो समुचित सड़क थी और ना ही गांव का समुचित विकास हुआ था। अब यह तुलना तो आप सब स्वयं ही करेंगे कि अगर आज के जमाने में यही कलाकार रहते तो दुनिया में इनकी प्रसिद्धि और शोहरत शायद इनके कदम चूमती।

खैर चलिए आगे बढते हैं, उन दिनों छत्तीसगढ़ के वृंदावन के नाम से प्रसिद्ध ग्राम नरियरा को धर्म, रासलीला, नाटक गीत संगीत के क्षेत्र में प्रसिद्धि दिलाने में स्व कौशल सिंह जिन्हें ग्राम में (मंझला) गोटिया के नाम से जाना जाता था, इनका बहुत बड़ा योगदान रहा। इनका ही परिश्रम और प्रेरणा थी की संगीत रासलीला की शुरुआत ग्राम नरियरा में श्री राधाबल्लभ मंदिर प्रांगण पर पहली बार मंचन प्रारंभ हुआ। प्रारंभ हुआ तो उसकी भव्यता और दिव्यता फिर लोगों की अपार संख्या ने इनके इनकी कला और कार्यक्रम की ख्याति दूर-दूर तक फैला दिया। इन कार्यक्रमों में कौशल सिंह के द्वारा हारमोनियम मृदंग वादन किया जाता था। अपने तीसरे सुपुत्र विश्वेश्वर सिंह का बचपन से ही संगीत के प्रति रुचि देखकर पिता कौशल सिंह ने इन्हें संगीत की प्रारंभिक शिक्षा दीक्षा के लिए नासिक के स्व विष्णु दिगंबर पलुस्कर जी से शिक्षा प्राप्त करने भेजा। फिर संगीत की आगे की शिक्षा बनारस इलाहाबाद में तबला वादन ज्ञान प्राप्त किया।

उन दिनो नरियरा में रासलीला पर ब्रजभाषा में श्री कृष्ण की लीला से संबंधित भजन का मंचन किया जाता था। कौसल सिंह बहुत ही सरल स्वभाव के व्यक्ति होने के कारण वे संगीत एवं कला का प्रचार एवं समय-समय पर आसपास में कार्यक्रमों में जाकर अपने हुनर से श्रोताओं का मन मोह लेते थे।

**नरियरा रासलीला को देखकर गांधी नेहरू ने भी की प्रसंशा**

एक अवसर ऐसा भी आया जब ये त्रिपुरी कांग्रेस अधिवेशन के कार्यक्रम में महात्मा गांधी पंडित जवाहरलाल नेहरू जैसे महान देशभक्तों के सामने इन्होंने अपनी कला का बेहतरीन प्रदर्शन किया। ठाकुर स्व छेदीलाल बलिस्टर जो की कार्यक्रम के संचालन समिति के अध्यक्ष थे, उनके कहने पर बाजा मास्टर स्व विशेषण सिंह तबला में संगत करने के लिए स्व श्री भान सिंह मुनमुला एवं इसराज पर संगत स्व सुखसागर सिंह एवं साथियों के साथ मंच पर स्वागत गीत एवं वंदे मातरम गीत का गायन किया गया। जिस पर गांधी व नेहरू सहित वहां उपस्थित सभी दर्शक मंत्र मुक्त हो गए।

मेघ मल्हार गायन की प्रस्तुति पर झमाझम हुई वर्षा

इसी प्रकार से इन्हें सारंगढ़ में श्रोताओं के द्वारा राग मेघ मल्हार पर गाने के लिए कहा गया। मां सरस्वती की ऐसी कृपा हुई की देखते ही देखते गीत के साथ ऐसी वर्षा हुई जिसे आज भी वहां के कुछ बुजुर्ग है जो याद करते हैं। अपने सरल सादगी भरे जीवन में इन्होंने सिर्फ पूरा जीवन संगीत को ही समर्पित कर दिया। उनके तीसरे नंबर के सुपुत्र स्व श्याम शरण सिंह को संगीत में लगन होने के कारण तबला वादन में बचपन से ही अपने पिता से संगीत की शिक्षा प्राप्त हुई। तबला वादन की शिक्षा भोपाल में इस्माइल दद्दू खान साहब से शिक्षा प्राप्त की। समय-समय पर भोपाल से आने पर पिता पुत्र की संगत से सभी झूम उठते थे। इन्होंने स्व श्री विशेश्वर सिंह के साथ श्री राधाबल्लभ मंदिर परिसर में खैरागढ़ रायगढ़ में संगीत कला के अनेक प्रस्तुतियां दीं, जिसमें कथक नृत्य स्व कल्याण दास जी रामदास जी स्व वेदमनी स्व रामकृष्ण चंदेश्वरी आकाशवाणी भोपाल के लतीफ खान साहब भोपाल स्व दादू सिंह स्व महेंद्र प्रताप सिंह पखावत बांसुरी पर स्व रामेश्वर धार दीवान अफ़रीद सारंगी पर स्व भारत प्रसाद नरियरा जैसे नामीगिरामी कलाकारों के साथ हारमोनियम बजाकर शास्त्री संगीत भजन सुगम संगीत का संगत करते थे।

इनकी कला का ऐसा जादू लोगों में बसा हुआ है कि आज भी स्व विशेश्वर सिंह के द्वारा स्वरबद्ध किये हुए भजन एवं गीत गाए जाते हैं। वर्तमान में उनके शिष्यों में ग्राम के धनीराम विश्वकर्मा जीवित हैं जो उन्हीं के द्वारा सिखाए गए राग रागिनियो पर संगीत की प्रस्तुतियां देते हैं। अब वर्तमान में इनके नाइट जो इनके विरासत को संभाल रहे हैं वह संजय सिंह भी तबला और अन्य वाद्य वृंद में बहुत पारंगत है। वे अपनी पूर्वजों की विरासत को सहेजने बचाने का पूरा प्रयास कर रहे हैं। संजय सिंह जी ने अपने तबला वादन व संगीत कार्यक्रमों का भोपाल आकाशवाणी, बिलासपुर आकाशवाणी से कई बार कार्यक्रम प्रस्तुत किया हुआ है।

इसी परिपेक्ष में आपको बताता चलूँ कि छत्तीसगढ़ के ख्यातिलब्ध साहित्यकार और कला संगीत प्रेमी भारत सरकार द्वारा पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित विभूति स्व श्याम नारायण चतुर्वेदी जी का बहुत गहरा ताल्लुक रहा है। स्वर्गीय श्याम नारायण चतुर्वेदी जी से मेरे भी बहुत अच्छे ताल्लुकात रहे। उन्होंने साहित्य के साथ-साथ पत्रकारिता में भी कार्य किया हुआ था। इस दौरान मेरी भेंट अक्सर उनसे हुआ करती थी।ऐसे अवसरों पर उनसे साहित्यिक पत्रकारिता के संदर्भ में चर्चाएं भी होती थी।

स्व चतुर्वेदी जी की ये बड़ी खासियत थी कि वह कभी हिंदी में नहीं बात करते थे, हमेशा केवल और केवल छत्तीसगढ़ी में ही बातें किया करते थे। स्व चतुर्वेदी जी का मेरे दादा स्व विजय सिंह बैस से भी काफी अच्छे ताल्लुकात रहे। पत्रकारिता के दौरान एक बार श्याम नारायण चतुर्वेदी जी के साथ जब मैं नागपुर से प्रकाशित अंग्रेजी दैनिक द हितवाद का बिलासपुर में सिटी रिपोर्टर था, तब हितवाद के स्थापना समारोह में मुझे उनके साथ रायपुर जाने का अवसर मिला। कमांडर जीप में एक साथ हम बैठे हुए थे। जिसमें उन्होंने राजनीति और पत्रकारिता के परिप्रेक्ष्य में बहुत गंभीर और व्यापक चर्चाएं की थी। मैंने यहाँ उनकी चर्चा इसलिए छेड़ी की नरियरा की कला संगीत यात्रा में श्री स्वर्गीय चतुर्वेदी जी का भी बहुत बड़ा योगदान रहा है। मैं समझता हूं आगे उन्हीं की जुबानी वर्णन सुनाना ज्यादा उचित होगा।

**यह निजी विचार है।**

# गुलामी के आठ सौ साल से उपजी सामूहिक हीन भावनाओं को लेकर चिंता?

**अजय दीक्षित**

पुरानी बात है लेकिन इस संदर्भ में प्रासंगिक है। एक राजा बहुत क्रूर था और उसका मंत्री उससे भी बदमाश था। राजा का नया महल बन रहा था जबकि राजा एक दूसरे महल में रहता था। दोनों स्थानों के बीच एक नदी थी । मजदूर हजारों की संख्या में उस पुल से निकलकर राजा की बेगारी करने दूसरी ओर जाते थे। मंत्री ने राजा के कहने पर आदेश दिया कि लौटते समय सभी जनता , मजदूरों को जूते लगाए जाएं। राजा के आदेश का पालन हुआ और पांच सैनिक जूते लगाने तैनात किए। रोज शाम को सभी को घर लौट ने से पहले पांच,पांच जूते खाने पड़ते थे। सभी कुछ सहन हो रहा था।एक दिन राजा ने शराब पी ली और उस स्थान का पुल पर निरीक्षण किया। जनता सब सहन कर रही थी। फिर भी राजा ने एक डिब्बा रख वा दिया कि जनता के कोई सुझाव हो तो वह पर्ची पर लिख कर इस डिब्बे में डाल दें।यह जले पर नमक छिड़कने जैसा था ।कई दिन गुजर गए लेकिन कोई सुझाव नहीं आया तो हरामीज़ादे राजा ने जूते पांच के बजाय दस कर दिए तो एक परेशानी हुई कि मजदूर देर से घर पहुंचने लगे।इस पर एक मजदूर ने आंख बचाकर एक पर्ची डिब्बे में डाल दी।जब राजा को मालूम हुआ कि कोई सुझाव आया है तो उसने डिब्बा खुलवाया और पढ़ा तो उसमें लिखा था कि हजूर जूते लगाने वाले सैनिक बढ़वा दो ।शाम को घर पहुंचने में देर हो जाती है।यह सोच बन गई थी भारत वर्ष की जनता की गुलामी के आठ सौ साल में, हीन भावना उत्पन्न हो गई थी। 1192 से देश में विदेशी शासन ही रहा। पारस की खाड़ी से आए महमूद गजनी ने आक्रमण किया और इंद्रप्रस्थ के राजा पृथ्वी राज चौहान हो हराकर बंदी बना लिया। उसके दिल्ली सल्तनत, मुगल, ब्रिटिश ने राज्य किया ।1947 में ही आजाद हो सका था।कुल 800 साल हम गुलाम रहे ।

भारत वर्ष लगभग आठ सौ साल पहले मुस्लिम सल्तनत,मुगल और ब्रिटिश का गुलाम रहा था। इस दौरान देश में एक सामूहिक हीन भावना उत्पन्न हुई और पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ जाती रही।इस काल खंड में देश ने अनेक शासनों को झेला। आज भी यही आवाज कई लोगों में यह कह कर निकलती है कि हम इस पचड़े में नहीं पड़ेंगे चाहे कितना भी बड़ा मुद्दा हो लोग आज भी बचना चाहते हैं।इस देश के लोगों ने आजादी के राजनीतिक लोगों, अधिकारियों, आपातकाल, आतंकवाद, भाईभतीजाबाद, जातिवाद, क्षेत्रवाद, नौकरशाही,को झेला है। वह तो भला हो जवाहर लाल नेहरू का जिन्होंने लोकतांत्रिक व्यवस्था को स्थापित कर दिया और जनता को गुप्त मतदान के माध्यम से सरकार बदलने का मौका मिला हुआ है नहीं तो पाकिस्तान में तीन बार संविधान बदल चुका है और सेना प्रमुख जब मर्जी हो तख्तापलट कर देते हैं और जनता तमाशबीन बन कर देखती रहती है।

भारत में कभी क्रांति नहीं हो सकती है क्योंकि हमारी रगों में अजीब सी हीन भावना है। मुस्लिम देशों में सत्ता के लिए रक्तपात किया जाता है।ईरान, इराक, सीरिया लेबनान, लीबिया,उसके उदाहरण हैं।रूस में 1907 में क्रांति हो चुकी है। चीन में माओवाद था और अभी भी है , अफगानिस्तान, म्यांमार, बांग्लादेश,में भी हिंसक क्रांति हो चुकी है।इस के पीछे इन देशों का इतिहास है और वे 800 वर्ष गुलाम नहीं रहे। ब्रिटिश ने जहां जहां शासन किया वे बहुत ही निर्दयता से जनता से व्यवहार करते थे।भारत में उन्होंने खूब लूटपाट की और जनता का हर तरीके का शोषण किया।

जो पीछे छूट गया उसे भूल कर हीन भावना से लोगो को निकलना चाहिए।800 वर्षों की गलमी ने भौतिक विकास, समाज विकास, बुरी तरह से प्रभावित किया था। यद्यपि ब्रिटिश ने भारत को कंगाल कर दिया।1931 में गोल मेज सम्मेलन में गांधीजी ने जॉर्ज पंचम से यही तो कहां था कि मेरे देश की जनता भूखी और कंगाल है और आप मुझसे उम्मीद कर रहे हैं कि में आपके सामने कोट पेंट पहन कर आने का काम करूं। लेकिन नेपाल की घटनाओं को सही नहीं ठहराया जा सकता यद्यपि नागरिक अगर अपनी बात दृढ़ता से रखेंगे तो सरकारें भी ठीक काम करेंगी। देश की केंद्रीय सरकार और राज्यों की सरकार भी इस हीन भावनाओं से जुड़ी रही हैं। जवाहर लाल नेहरू से लेकर मनमोहन सिंह तक सरकारों अधिक दृढ़ता का परिचय देना चाहिए था। जैसे 1962 के युद्ध में चीन ने भारत की 74000 वर्ग किलोमीटर पर कब्जा कर लिया उसे भारत आज तक बापिस नहीं ले सका है। हां श्री मति इंदिरा गांधी ने 1971 का युद्ध जीतकर बांग्लादेश बनवा दिया।यह अपवाद है।

इस प्रकार 70 वर्ष बाद कश्मीर से अनुच्छेद 370 भारतीय जनता पार्टी की नरेंद्र मोदी सरकार ने विलोपित की क्योंकि इस मुद्दे को 1950 से ही उठा रहा था। अटल बिहारी वाजपेई ने परमाणु हथियारों का परीक्षण भी अपवाद है।

लेकिन 2014 से जब से भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी है उसने कड़े फैसले लेना शुरू किए हैं चाहे वह चकमा घुसपैठियों का मामला हो या राष्ट्रीय नागरिक कानून हो सटीक और सबल निर्णय लिया है।

# स्वच्छ शौचालय अभियान : स्वच्छता की ओर बदलती सोच और बढ़ते कदम

पीआईबी

भारत में स्वच्छता की चर्चा जब भी होती है, तो केवल कचरा या गंदगी की सफाई ही नहीं बल्कि शौचालयों की उपलब्धता और उनका नियमित उपयोग भी सबसे बड़ी चुनौती के रूप में सामने आती है। लंबे समय तक खुले में शौच की समस्या देश की छवि और स्वास्थ्य दोनों के लिए बाधा बनी रही। वर्ष 2014 में जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वच्छ भारत मिशन का आह्वान किया, तब इस समस्या को दूर करने की दिशा में व्यापक प्रयास शुरू हुए। घर-घर शौचालय बनने लगे, शहरों और कस्बों में सार्वजनिक और सामुदायिक शौचालयों का निर्माण हुआ और धीरे-धीरे समाज में यह संदेश घर करने लगा कि स्वच्छता केवल सरकार का कार्य नहीं बल्कि हर नागरिक की जिम्मेदारी है।

इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए क्लीन टॉयलेट अभियान की शुरुआत हुई, जिसकी थीम है - स्वच्छ शौचालय हमारी जिम्मेदारी। इस अभियान का मकसद केवल शौचालय बनाना नहीं, बल्कि उन्हें स्वच्छ, सुरक्षित और उपयोगी बनाए रखना है। क्योंकि यह बार-बार देखा गया कि शौचालय बन जाने के बाद भी उनका रखरखाव न होने से लोग उन्हें छोड़कर फिर खुले में शौच करने लगते थे। इसलिए इस अभियान ने ध्यान केंद्रित किया नागरिकों की सक्रिय भागीदारी, सफाई मित्रों और स्थानीय निकायों के सहयोग तथा सामुदायिक जिम्मेदारी पर।

**इंदौरः स्वच्छता की राजधानी और नई पहल**

देश का सबसे स्वच्छ शहर कहलाने वाला इंदौर क्लीन टॉयलेट अभियान का भी अग्रणी उदाहरण है। विश्व शौचालय दिवस के अवसर पर नगर निगम ने शौचालय सुपर स्पॉट कैंपेन आयोजित किया। इस अनोखे अभियान में नागरिकों को प्रोत्साहित किया गया कि वे सार्वजनिक शौचालयों का उपयोग करें और वहां पर अपनी उपस्थिति को तस्वीर के माध्यम से दर्ज करें। नतीजा यह हुआ कि शहर के सात सौ से अधिक शौचालयों पर एक लाख से ज्यादा लोगों ने जाकर सेल्फी ली और उसे ऑनलाइन अपलोड किया। यह केवल आंकड़ों की बात नहीं है बल्कि यह दर्शाता है कि इंदौर के नागरिक स्वच्छता को गर्व और जिम्मेदारी दोनों मानते हैं।

खास बात यह रही कि अभियान की शुरुआत के केवल तीन घंटे के भीतर ही तीस हजार से अधिक तस्वीरें अपलोड हो चुकी थीं। सुबह पांच बजे से आठ बजे तक का यह दृश्य बताता है कि नागरिक कितनी तत्परता और जागरूकता के साथ इसमें भाग ले रहे थे। इंदौर का यह प्रयोग न केवल पूरे देश के लिए प्रेरणा है बल्कि यह संदेश भी देता है कि यदि जनता प्रशासन के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी हो, तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता।

**बिलासपुरः बबलू महतो और परिवार की मिसाल**

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले के अशोक नगर इलाके की कहानी बताती है कि बदलाव के लिए बड़े साधनों की नहीं बल्कि छोटे प्रयासों की आवश्यकता होती है। नगर निगम ने बबलू महतो को एक सार्वजनिक सुविधा केंद्र की देखभाल की जिम्मेदारी दी। यह स्थान पहले असामाजिक तत्वों का अड्डा माना जाता था। लोग वहां जाने से डरते थे और शौचालय लगभग बेकार पड़ा था।

लेकिन बबलू महतो ने अपने परिवार के सहयोग से इस स्थान का कायाकल्प कर दिया। उन्होंने न केवल शौचालय और स्नानघर की नियमित सफाई सुनिश्चित की बल्कि आसपास का वातावरण भी पूरी तरह बदल डाला। धीरे-धीरे यह स्थान लोगों के लिए सुरक्षित और स्वच्छ सार्वजनिक स्थल बन गया। उनकी पत्नी अनीता और पूरा परिवार इस जिम्मेदारी को निभाने में बराबर का योगदान देता है। आज यह सुविधा केंद्र इलाके के लोगों के लिए वरदान बन चुका है। यह उदाहरण हमें यह सिखाता है कि यदि जिम्मेदारी का भाव हो तो कोई भी व्यक्ति समाज में बड़ा बदलाव ला सकता है।

**कोरबाः प्रभास शाही का योगदान**

कोरबा जिले के प्रभास शाही ने अपनी सतत मेहनत और सेवा से स्वच्छता अभियान को एक नया आयाम दिया। वे पिछले दस वर्षों से शहर के नए बस स्टैंड और अन्य इलाकों में बने तेईस सार्वजनिक शौचालयों की देखभाल कर रहे हैं। उनकी सोच केवल सफाई तक सीमित नहीं रही। उन्होंने इन शौचालयों को आधुनिक सुविधाओं से लैस किया।

महिलाओं और बच्चों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए उन्होंने सैनिटरी नैपकिन डिस्पेंसर, इंसीनेरेटर और बेबी फीडिंग रूम जैसी सुविधाएँ उपलब्ध कराई। यह सब बिना किसी बड़े प्रचार-प्रसार के हुआ, लेकिन इसका असर पूरे शहर पर पड़ा। प्रभास शाही की मेहनत का ही परिणाम है कि कोरबा शहर खुले में शौच से पूरी तरह मुक्त हुआ और ODF++ का दर्जा प्राप्त कर सका। यह उपलब्धि बताती है कि व्यक्तिगत प्रयास भी सामूहिक सफलता में बदल सकते हैं।

**स्वच्छता और गरिमा का संबंध**

क्लीन टॉयलेट अभियान केवल सफाई का सवाल नहीं है, यह स्वास्थ्य और गरिमा दोनों से जुड़ा हुआ है। खासकर महिलाओं और बच्चों के लिए स्वच्छ और सुरक्षित शौचालय का होना उनकी गरिमा और आत्मसम्मान का सवाल है। ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में लंबे समय तक महिलाओं को अंधेरे में खुले में शौच करने के लिए मजबूर होना पड़ा। इससे न केवल उनका स्वास्थ्य प्रभावित होता था बल्कि सुरक्षा की समस्या भी बनी रहती थी।

आज जब सामुदायिक और सार्वजनिक शौचालयों का जाल बिछाया गया है, तो जिम्मेदारी यह बनती है कि उनकी स्वच्छता और उपयोगिता बनी रहे। यदि वे गंदे या अनुपयोगी होंगे तो लोग फिर से पुराने तरीकों की ओर लौट सकते हैं। इसलिए क्लीन टॉयलेट अभियान का संदेश यह है कि निर्माण के साथ-साथ रखरखाव भी उतना ही जरूरी है।

**चुनौतियाँ और समाधान**

हालांकि इस अभियान की सफलता के बावजूद कई चुनौतियाँ सामने हैं। कई शहरों में शौचालय तो बन जाते हैं लेकिन उनका नियमित रखरखाव नहीं हो पाता। पानी और बिजली जैसी मूलभूत सुविधाएँ न होने से उनका उपयोग कठिन हो जाता है। कई बार नागरिक भी लापरवाही बरतते हैं और शौचालयों को गंदा छोड़ देते हैं।

इन समस्याओं का समाधान तभी संभव है जब नागरिक, प्रशासन और सफाई मित्र मिलकर काम करें। एक ओर स्थानीय निकाय को यह सुनिश्चित करना होगा कि शौचालयों की सफाई और मरम्मत नियमित रूप से हो, वहीं नागरिकों को भी इन्हें अपनी संपत्ति मानकर संभालना होगा। जागरूकता अभियानों, जन सहभागिता और तकनीक के उपयोग से इस दिशा में और सुधार किया जा सकता है।

**जनभागीदारी का महत्व**

क्लीन टॉयलेट अभियान की सबसे बड़ी ताकत है जनभागीदारी। जब लोग इसमें जुड़ते हैं तो यह केवल सरकारी योजना नहीं बल्कि एक आंदोलन बन जाता है। इंदौर, बिलासपुर और कोरबा जैसे उदाहरण यही साबित करते हैं। इंदौर में नागरिकों का उत्साह, बबलू महतो और प्रभास शाही जैसे व्यक्तियों की निष्ठा और प्रशासन का सहयोग मिलकर इसे सफल बनाता है। यही कारण है कि यह अभियान अब पूरे देश में तेजी से फैल रहा है।

**भविष्य की दिशा**

स्वच्छता केवल आज की जरूरत नहीं बल्कि आने वाली पीढ़ियों की सेहत और सुरक्षा से भी जुड़ी हुई है। स्मार्ट सिटी, आत्मनिर्भर भारत और सतत विकास जैसे लक्ष्यों को हासिल करने के लिए जरूरी है कि हम स्वच्छता को अपनी संस्कृति और आदत का हिस्सा बनाएं। क्लीन टॉयलेट अभियान हमें यही सिखाता है कि यदि हर नागरिक इसे अपना कर्तव्य माने तो शहर ही नहीं पूरा देश साफ और स्वस्थ हो सकता है।

यह अभियान धीरे-धीरे लोगों की सोच बदल रहा है। अब लोग शौचालयों को केवल जरूरत नहीं बल्कि अपनी गरिमा और सम्मान से जुड़ा मानने लगे हैं। यह बदलाव ही इस अभियान की सबसे बड़ी उपलब्धि है।

क्लीन टॉयलेट अभियान हमें यह संदेश देता है कि स्वच्छ शौचालय केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं बल्कि हर नागरिक का कर्तव्य है। जब लोग इसे अपनी आदत बना लेंगे तो न केवल बीमारियाँ कम होंगी बल्कि समाज भी अधिक सुरक्षित और सम्मानजनक बनेगा। इंदौर की जनता, बिलासपुर के बबलू महतो और कोरबा के प्रभास शाही जैसे उदाहरण हमें प्रेरित करते हैं कि अगर इच्छा और प्रतिबद्धता हो तो बदलाव लाना कठिन नहीं।

आज जरूरत इस बात की है कि हम सब मिलकर इस अभियान को आगे बढ़ाएँ और यह साबित करें कि स्वच्छ भारत का सपना केवल एक योजना नहीं बल्कि हमारी साझा जिम्मेदारी और राष्ट्रीय संकल्प है।

# मध्यस्थता की अवधारणा, न्यायिक प्रक्रिया और विभिन्न वैकल्पिक विवाद समाधान प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

पीआईबी

वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग ने मध्यस्थता एवं सुलह परियोजना समिति (एमसीएमपी), सर्वोच्च न्यायालय के सहयोग से ऋण वसूली न्यायाधिकरणों के पीठासीन अधिकारियों और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के वरिष्ठ अधिकारियों के लिए 40 घंटे का मध्यस्थता प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 24 से 28 सितम्बर, 2025 तक सर्वोच्च न्यायालय के अतिरिक्त भवन परिसर में किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम वर्तमान समय में विवाद समाधान तंत्रों की बढ़ती प्रासंगिकता को ध्यान में रखते हुए संचालित किया गया था। मध्यस्थता को आपसी सहमति से विवादों के निपटारे की एक प्रभावी पद्धति के रूप में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में मध्यस्थता की अवधारणा, न्यायिक प्रक्रिया तथा विभिन्न वैकल्पिक विवाद समाधान प्रक्रियाओं की तुलना, मध्यस्थों की प्रक्रिया, चरण एवं भूमिका, मध्यस्थता में संचार के तरीके, मध्यस्थता हेतु संवाद, वार्ता और सौदेबाजी जैसे विविध विषयों को सम्मिलित किया गया। इस आयोजन के दौरान मध्यस्थता से जुड़े विभिन्न हितधारकों अर्थात रेफरल न्यायाधीशों, वकीलों और पक्षकारों की भूमिका पर भी चर्चा की गई। विशेष रूप से, ऋण वसूली एवं दिवालियापन (आरडीबी) अधिनियम, 1993 और एसएआरएफएईएसआई अधिनियम, 2002 के अंतर्गत डीआरटी के पीठासीन अधिकारियों द्वारा विचारित व स्वीकार किए जाने वाले मामलों पर केंद्रित प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण के दौरान शामिल किए गए विषयों की व्यापक श्रृंखला पर संतोष व्यक्त किया और 40 घंटे के मध्यस्थता प्रशिक्षण के सफल आयोजन के लिए वित्तीय सेवा विभाग तथा मध्यस्थता एवं सुलह परियोजना समिति (एमसीएमपी), सर्वोच्च न्यायालय के प्रति आभार प्रकट किया।

# पीडीयूएनएएसएस में नव पदोन्नत सहायक भविष्य निधि आयुक्तों का व्यापक निर्देशन प्रशिक्षण संपन्न हुआ

पीआईबी।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा अकादमी (पीडीयूएनएएसएस), नई दिल्ली में नव-पदोन्नत सहायक भविष्य निधि आयुक्तों (एपीएफसी) के तीन सप्ताह का निर्देशन प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ। समापन सत्र में केंद्रीय भविष्य निधि आयुक्त (सीपीएफसी) श्री रमेश कृष्णमूर्ति ने मुख्य अतिथि थे। उन्होंने ईपीएफओ अधिकारियों की अगली पीढ़ी को ज्ञान, सहानुभूति और जनसेवा मूल्यों पर आधारित नेतृत्व के लिए तैयार करने में अकादमी के प्रयासों की सराहना की।

अपने अनुभव को याद करते हुए, एक प्रशिक्षु ने कहा, ÷हम अपने कार्यस्थलों पर गहन कक्षा सत्रों और गतिशील टीम-निर्माण गतिविधियों के माध्यम से प्राप्त नए दृष्टिकोण और गहन अंतर्दृष्टि के साथ लौट रहे हैं। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 'ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण', 'नैतिकता', 'करुणा', 'महत्वपूर्ण अदालती फैसलों', 'श्रव्य-दृश्य शिक्षण' और 'डिज़ाइन थिंकिंग' जैसे महत्वपूर्ण विषयों के बारे में प्रशिक्षण दिया गया। इनमें से प्रत्येक प्रशिक्षण ने एक स्थायी प्रभाव छोड़ा। ÷ इस प्रशिक्षु ने एक समग्र और आकर्षक पाठ्यक्रम तैयार करने के लिए श्री कुमार रोहित, केंद्रीय भविष्य निधि अपर आयुक्त (मुख्यालय) और पीडीयूएनएएसएस के निदेशक को धन्यवाद दिया। श्री रमेश कृष्णमूर्ति, सीपीएफसी ने अपने संबोधन में अधिकारी प्रशिक्षुओं को उनकी उत्साहपूर्ण भागीदारी के लिए बधाई दी और एक समग्र प्रशिक्षण अनुभव तैयार करने के लिए पीडीयूएनएएसएस की सराहना की। उन्होंने श्री कुमार रोहित के नेतृत्व और कार्यक्रम को सुगम बनाने वाले संकाय और कर्मचारियों के योगदान की सराहना की। उन्होंने अधिकारियों को विशेषतः 30 करोड़ से अधिक ग्राहकों के साथ बातचीत में ईपीएफओ के मूल मूल्यों, जैसे ईमानदारी, जवाबदेही और सहानुभूति, को बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर, सीपीएफसी ने प्रशिक्षु अधिकारियों द्वारा लिखित पुस्तिकाओं की एक श्रृंखला का विमोचन किया। इनमें पुस्तक समीक्षाएं, ÷स्वादिष्ट पहल÷ के अंतर्गत रचनात्मक पाककला संबंधी पहल और प्राप्त प्रशिक्षण अनुभवों पर विचार शामिल थे। उन्होंने ईपीएफओ के प्रमुख विकास कार्यों के बारे में भी बताया जिसमें उन्नत इलेक्ट्रॉनिक चालान-सह-रिटर्न (ईसीआर) प्रणाली की शुरुआत भी शामिल है। इस नए प्लेटफॉर्म में ईपीएस सदस्यता, अंतर्राष्ट्रीय कर्मचारी स्थिति और अनुपालन मानकों के लिए उन्नत सत्यापन शामिल हैं। यह धारा 7 क्यू और 14 बी के तहत हर्जाने और ब्याज की स्वचालित गणना को भी सक्षम बनाता है, जिसका उद्देश्य त्रुटियों को कम करना और प्रवर्तन को सुव्यवस्थित करना है।

तमिलनाडु के करूर में शनिवार को हुई भगदड़ में 17 महिलाओं और 9 बच्चों सहित कम से कम 39 लोगों की मौत हो गई।

वाराणसी में कचहरी चौराहे के पास अतिक्रमण विरोधी अभियान के बाद।

# वर्ल्ड फूड इंडिया 2025 के तीसरे दिन प्रमुख सत्र, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, समझौता ज्ञापन और सहयोग पर चर्चा

पीआईबी

**न्यूजीलैंड, जिम्बाब्वे और युगांडा के समकक्षों के साथ महत्वपूर्ण बैठकें आयोजित की गईं**

वर्ल्ड फूड इंडिया 2025 के तीसरे दिन प्रभावशाली तकनीकी सत्रों, अंतर्राष्ट्रीय सहयोगों और ज्ञान के आदान-प्रदान की एक श्रृंखला देखने को मिली, जिसने खाद्य प्रसंस्करण और नवाचार के वैश्विक केंद्र के रूप में भारत की भूमिका को और मज़बूत किया। आयोजन के पहले दो दिनों में 4,657 बी2बी बैठकें, 154 जी2जी बैठकें और 9,564 आरबीएसएम बैठकें हुईं, जबकि कुल 35,784 लोग इसमें शामिल हुए। आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, महाराष्ट्र और ओडिशा सहित साझेदार और प्रमुख राज्यों ने अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन करते हुए समर्पित सत्र आयोजित किए। मत्स्य पालन विभाग ने ÷मछुआरों की समृद्धि के लिए मत्स्य तकनीकः प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन में नवाचार÷ विषय पर एक सत्र आयोजित किया, जिसमें मत्स्य पालन और मूल्य श्रृंखला विकास में प्रगति के बारे में बताया गया। प्रायोजित सत्रों ने और गहन जानकारी प्रदान की, जहां सेंटर फॉर रिस्पॉन्सिबल बिज़नेस ने पुनर्योजी वनस्पति तेल क्षेत्र के लिए राष्ट्रीय गठबंधन पर चर्चाएं आयोजित की, जबकि बीएल एग्रो ने राष्ट्र 2025: जोखिम विश्लेषण संगोष्ठी - कृषि के परिवर्तन की शुरुआत का आयोजन किया।

निफ्टेम-के ने इंटरलिंक फूड्स प्राइवेट लिमिटेड को और ÷अनफर्मेंटेड मेयो÷ जीवनमित्र न्यूट्रास्युटिकल्स प्राइवेट लिमिटेड को दो प्रमुख तकनीकों: ÷सक्षम आंगनवाड़ी और मिशन पोषण 2.0 पहल÷ का हस्तांतरण किया। उसी दिन, निफ्टेम-के ने ग्रेटर नोएडा स्थित राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान; इम्फाल स्थित जैव संसाधन एवं सतत विकास संस्थान; बैंगलोर स्थित रेजुवोम थेरेप्यूटिक्स; और नई दिल्ली स्थित यकृत एवं पित्त विज्ञान संस्थान के साथ समझौता ज्ञापनों पर भी हस्ताक्षर किए।

निफ्टेम-टी ने प्लेसमेंट और शोध के लिए महाराष्ट्र स्थित मैसर्स एनवायरोकेयर लैब्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ, और खाद्य संवर्धन हेतु उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने हेतु नई दिल्ली स्थित मैसर्स ग्लोबल अलायंस फॉर इम्प्रूव्ड न्यूट्रिशन (गैन) के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इसने स्टार्ट-अप ग्रैंड चैलेंज 3.0 की विजेता, नई दिल्ली स्थित मैसर्स फ्रूवेटेक प्राइवेट लिमिटेड के साथ भी एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। वैश्विक साझेदारी को बढ़ावा देने के शिखर सम्मेलन के दृष्टिकोण के अनुरूप, न्यूजीलैंड, जिम्बाब्वे और युगांडा के समकक्षों के साथ महत्वपूर्ण सरकार-दर-सरकार बैठकें आयोजित की गईं, जिससे कृषि और खाद्य प्रसंस्करण में सहयोग बढ़ाने का मार्ग प्रशस्त हुआ।

वर्ल्ड फूड इंडिया 2025 सहयोग, नवाचार और निवेश के लिए उत्प्रेरक बना हुआ है, जो वैश्विक साझेदारी को मजबूत करते हुए भारत की खाद्य अर्थव्यवस्था में परिवर्तन को गति देगा।

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

# रासेयो शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगांव को राज्य स्तरीय 'सर्वश्रेष्ठ रासेयो संस्था पुरस्कार

**राजनांदगांव।** शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव (छत्तीसगढ़) की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई ने एक बार फिर इतिहास रच दिया है। महाविद्यालय की रासेयो इकाई को वर्ष 2024-25 के लिए राज्य स्तरीय सर्वश्रेष्ठ संस्था पुरस्कार से नवाज़ा गया। यह सम्मान संस्था को समाजसेवा, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, साक्षरता अभियान, रक्तदान शिविर, जनजागरूकता रैलियों तथा विविध रचनात्मक गतिविधियों में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रदान किया गया है।

यह सम्मान 24 सितम्बर 2025 को राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस के अवसर पर रायपुर स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित भव्य राज्य स्तरीय सम्मान समारोह में प्रदान किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय रहे, जिन्होंने अपने करकमलों से यह पुरस्कार महाविद्यालय को प्रदान किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता टंकराम वर्मा, मंत्री (उच्च शिक्षा विभाग, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन, संसदीय कार्य), छत्तीसगढ़ शासन ने की।

विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. टोपलाल वर्मा (वरिष्ठ प्राध्यापक) एवं डॉ. अशोक कुमार श्रोती, उपकार्यक्रम सलाहकार एवं रासेयो क्षेत्रीय निर्देशक, भोपाल (म.प्र. एवं छ.ग.) उपस्थित रहे।

इस गरिमामयी समारोह में राज्य ह्स्स अधिकारी डॉ. नीता बाजपेई (उच्च

शिक्षा विभाग, छत्तीसगढ़ शासन), रासेयो कार्यक्रम समन्वयक हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग के श्री जैनेंद्र दिवान एवं जिला संगठक सुश्री मोनिका दास वैष्णव ने भी सहभागिता दी और शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय की इस उपलब्धि को पूरे जिले के लिए गौरवपूर्ण बताया।

महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सुचित्रा गुप्ता ने इस अवसर पर कहा कि यह उपलब्धि दिग्विजय महाविद्यालय रासेयो के कार्यक्रम अधिकारी प्रो. संजय सप्तर्षि और प्रो. करुणा रावटे एवं समस्त स्वयंसेवकों की कड़ी मेहनत, अनुशासन और सामाजिक दायित्वबोध का परिणाम है। उन्होंने यह भी कहा कि इस सम्मान से आने वाले समय में स्वयंसेवकों को और अधिक ऊर्जा और प्रेरणा मिलेगी।

रासेयो इकाई के कार्यक्रम अधिकारी प्रो. संजय सप्तर्षि एवं प्रो. करुणा रावटे ने कहा कि स्वयंसेवियों ने बीते वर्षों में जनजागरण, पर्यावरण संरक्षण हेतु वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान, रक्तदान, स्वास्थ्य शिविर, सड़क सुरक्षा जागरूकता जैसे कार्यक्रमों में सक्रिय भूमिका निभाई। इसी निरंतर योगदान का प्रतिफल यह पुरस्कार है। उन्होंने स्वयंसेवियों के योगदान की सराहना करते हुए इसे महाविद्यालय के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया। इस उपलब्धि पर महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकों ने रासेयो इकाई को हार्दिक बधाई दी और कहा कि यह सम्मान पूरे दिग्विजय महाविद्यालय के लिए गर्व का विषय है।

## कलेक्टर महोबे के निर्देशन पर बंधक बनाए गए श्रमिकों की हुई सकुशल घर वापसी

**जांजगीर-चांपा /** कलेक्टर जन्मेजय महोबे के निर्देश पर जिला प्रशासन ने तत्परता दिखाते हुए ग्राम मेकरी, थाना-पामगढ़ के श्री राजेश सूर्यवंशी सहित 6 लोगो को बंधन से मुक्त कराकर सुरक्षित वापस उनके गृहग्राम भेजा। श्रम पदाधिकारी ने बताया ग्राम मेकरी निवासी श्रीमती प्रभा सूर्यवंशी ने 25 सितम्बर को आवेदन कर बताया था कि उनके पति श्री राजेश सूर्यवंशी समेत 6 अन्य लोगो को उत्तर प्रदेश के जिला जामुंद हरदासपुर स्थित बिराट ईंट भट्ठे के मालिक द्वारा बंधक बनाया गया है। सूचना मिलते ही कलेक्टर श्री महोबे ने तत्काल संबंधित विभाग को कार्रवाई के निर्देश दिए। श्रम विभाग एवं प्रशासन की संयुक्त कार्रवाई से मजदूरों को मुक्त कराकर उन्हें सुरक्षित वापस लाया गया। सभी श्रमिक 27 सितम्बर को बिलासपुर पहुंच चुके हैं और वहां से अपने-अपने गृहग्राम के लिए रवाना हो गए हैं। श्रमिकों के सुरक्षित घर पहुंचने के बाद उनके बयान लेकर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

# भक्तो के मन की मुरादे पूरी करने वाली खोखरा में विराजित मां मनका दाई

## नवरात्रि में लगते है नौ दिवसीय मेला

जांजगीर-चांपा ।

जिला मुख्यालय से लगा हुआ खोखरा में विराजी मां मनकादाई सभी की मनोकामनाओं को पूरी कर सबकी झोली खुशियों से भर देती है। मां की महिमा का गुणगान ग्रामीण प्रतिदिन सुबह शाम करते हैं। चैत्र व क्वांर नवरात्रि में यहाँ मंदिर परिसर में नौ दिवसीय मेला लगता है। ट्रस्ट द्वारा नवरात्रि पर्व के दौरान श्रद्धालुओ के लिए निःशुल्क भोजनालय की व्यवस्था किया जाता है। माता का दर्शन करने हजारों की संख्या में भक्तों की भीड़ उमड़ती है।

मां मनकादाई धाम खोखरा देशी रियासतों के साधु संतों का गढ़ था, जहां अखरा देवता के वीरता की गाथा सुनने को मिलती है। इस गांव में बहुत ज्यादा संख्या में तालाब एवं पुराने देवताओं के मठ एवं मंदिर के अस्तित्व आज भी है।खोखरा में मां मनका दाई, समलाई दाई, काली माई, शारदा मैय्या, शीतला माता, संतोषी माता, प्राचीन शिव मंदिर,राधाकृष्ण मंदिर सहित कई देवी- देवता विराजमान हैं। तालाब व मंदिरों से घिरे होने के कारण यहां की अपनी एक अलग ही पहचान है। यहां

के बुजुर्ग बताते हैं कि प्राचीन काल में शिवाला राजाओं के गढ़ एवं राजपूत क्षत्रियों की अनोखी बस्ती के नाम से परिचित था, तभी मनका दाई की अद्भुत और अचरज में डाल देने गुम वाली शक्ति सामने आई । वतर्मान में जहां माँ मनका दाई का मंदिर एवं तालाब स्थापित है, वहां पहले घनघोर जंगल हुआ करता था। जिस समय मां मनका दाई की महिमा सामने आई, उसी समय सूखा और अकाल पड़ा था। लोग पानी की एक-एक बूंद के लिए तड़प रहे थे। उसी समय एक बालक जंगल के भीतर भैंस चराने गया और उसका भैंस गुम हो गया। बालक ने ग्रामीणों को भैंस के गुम हो जाने की खबर दी, जिससे ग्रामीण उस भैंस को ढूंढने जंगल में गए। सभी डरे सहमे हुए जंगल में प्रवेश करने लगे, क्योंकि उस जंगल में खतरनाक जानवर थे। तभी लोगों को भैंस तालाब के कीचड़ सना मिला।

कुछ महिनों बाद बालक को मां मनका दाई ने स्वप्न में कहा कि मैं उसी तालाब में हूं, जहां तुम्हारा भैंस मिला था। मैं मनका दाई हूं, मुझे यहां से निकाल कर मेरी स्थापना कर पूजा अचर्ना करो। माता के आदेश के बाद उस आदमी ने तालाब से मिट्टी निकाल कर मां मनका दाई की प्रतिमा का रूप दिया और उसकी पूजा अचर्ना की। इसके बाद से खोखरा में मां मनकादाई का वास हो गया। इसके बाद मां मनका दाई पूरे गांव में भ्रमण कर किसी भी प्रकार के दुर्घटना का अपनी अद्वितीय शक्ति से आकाशवाणी करती थी। यदि किसी व्यक्ति को कोई भी समस्या आन पड़ती है तो मां के पावन चरण कमल में अपना मत्था टेक कर अपनी मनोकामना पूर्ण करते थे। वर्तमान में माँ मनका दाई मंदिर में जिले के साथ ही साथ प्रदेश व देशभर के श्रद्धालु अपनी आस्था लिए दर्शन करने को आते है । यहाँ चैत्र व क्वांर नवरात्रि के अलावा दो गुप्त नवरात्रि में भी आस्था के ज्योत प्रज्जवलित होते है। मंदिर का संचालन माँ मनका दाई पब्लिक ट्रस्ट के द्वारा किया जा रहा है।

**41 सौ ज्योति कलश हो रहे प्रज्जवलित**

ट्रस्ट के अध्यक्ष राधे थवाईत ने बताया कि शारदीय क्वांर नवरात्रि पर्व में इस बार मां मनका दाई मंदिर में 4100 ज्योति कलश प्रज्जवलित हो रहे है 7 जिसमें गर्भ गृह में 11 घृत ज्योति कलश, 80 ज्वांरा ज्योति कलश, 400 घी ज्योति कलश व 3619 तेल ज्योति कलश प्रज्जवलित हो रहे है। माता रानी की दर्शन करने आने वाले श्रद्धालुओं के लिए ट्रस्ट द्वारा निःशुल्क भोजन की व्यवस्था किया गया है । वही मंदिर परिसर में नौ दिवसीय मेला भी लगता है। पुलिस प्रशासन द्वारा कानून व्यवस्था बनाने के लिए पुलिस की ड्यूटी लगाई गई है।

### मंदिर व तालाबों का गढ़

ऐसे तो खोखरा को तालाबों व मंदिरों की नगरी से जाना जाता है। यहां भक्तों की सबकी मन की कामना को पूरी करने वाली मां मनका दाई मंदिर के अलावा, शारदा मंदिर, मां काली मंदिर, शीतला माता मंदिर, माता संतोषी मंदिर, राधाकृष्ण मंदिर, प्राचीन शिव मंदिर, हनुमान मंदिर, साई मंदिर,ठाकुरदेव,भैरव बाबा, पराऊ बैगा मंदिर सहित कई छोटे बड़े मंदिर है। जहां बड़ी संख्या में भक्तजन दर्शन करने आते है।

### कैसे पहुंचे मंदिर

मां मनका दाई मंदिर खोखरा जिला मुख्यालय से तीन किलोमीटर की दूरी पर दक्षिण दिशा में स्थित है । मुंबई-हावड़ा रेल मार्ग पर नैला जांजगीर व चांपा रेलवे स्टेशन में उतरकर बस,ऑटो से पहुंचे जा सकते है। ग्राम खोखरा वतर्मान में नेशनल हाइवे 49 से जुड़ा गया है। नजदीक एयरपोर्ट रायपुर से 150 किलोमीटर व बिलासपुर से 45 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।

## अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन ने किया राष्ट्रीय कार्यकारिणी का विस्तार.....

### विशिष्ठ समाजसेवी राधेश्याम अग्रवाल बने राष्ट्रीय सलाहकार.....

**जांजगीर चांपा** - अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री राज कुमार मित्तल ने राष्ट्रीय कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए, राजस्थान प्रदेश के प्रख्यात समाजसेवी एवं सम्मेलन के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष राधेश्याम अग्रवाल, निवासी – सीकर रोड, पथ नं. 7, मुरलीपुरा, जयपुर को संस्था का राष्ट्रीय सलाहकार÷ मनोनीत किया है। इस अवसर पर श्री राज कुमार मित्तल ने कहा – ÷ राधेश्याम अग्रवाल ने अपने समर्पण, निष्ठा और समाजसेवी कार्यों के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अग्र समाज को एक मंच पर लाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहचान बनाई है। संस्था को उनसे नई ऊर्जा एवं दिशा मिलेगी।÷अपने मनोनयन पर आभार व्यक्त करते हुए राधेश्याम अग्रवाल ने कहा ङ्क ÷अध्यक्ष द्वारा दिए गए इस

दायित्व को मैं पूर्ण समर्पण भाव से निभाऊंगा और संगठन के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु सदैव तत्पर रहूंगा। ÷सम्मेलन के राष्ट्रीय चेयरमैन (अग्र कार्य योजना) जगदीश प्रसाद अग्रवाल ने विश्वास व्यक्त किया कि ङ्क ÷ राधेश्याम अग्रवाल का सहयोग और अनुभव संस्था को मजबूती प्रदान करेगा तथा राष्ट्रीय स्तर पर संगठन और अधिक सुदृढ़ होगा।÷संस्थान के अनेक वरिष्ठजनों ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा -- ÷ राधेश्याम अग्रवाल का दीर्घ अनुभव संगठन के लिए वरदान सिद्ध होगा। वे अग्रकुल प्रवर्तक महाराजा श्री अग्रसेन जी के आदर्शों और विचारों को समाज के अंतिम छोर तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।÷ राधेश्याम अग्रवाल के मनोनयन से संपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन परिवार एवं जयपुर क्षेत्र में हर्ष और उत्साह का वातावरण व्याप्त है।

## अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही कांग्रेस - शताब्दी पांडेय 0 कांग्रेस छत्तीसगढ़ में 36 धड़ों में बंट चुकी है

**रायपुर,** भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश प्रवक्ता शताब्दी पांडेय ने कहा कि कांग्रेस पार्टी एक ऐसी पार्टी है जिसका मूल उद्देश्य केवल भ्रष्टाचार करना ही है। पाण्डेय ने कहा कि कांग्रेस सिर्फ सरकारी खजाने और जन-धन पर अपनी नजर गड़ाए रहती है। इसी राष्ट्र विरोधी मानसिकता के चलते कांग्रेस पार्टी को जनता ने नकार दिया है। पिछले 2014 से कांग्रेस देश के कुछ राज्यों तक ही सिमटकर रह गई है।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता पाण्डेय ने कहा कि छत्तीसगढ़ कांग्रेस में अंतर्कलह चरम पर है। पूरी कांग्रेस पार्टी बिखर चुकी है। अंदरूनी लड़ाई तो अब बाहर बड़े-बड़े मंचों में दिखने को मिल रही है। श्रीमती पांडेय ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के बड़े नेताओं ने तो अपने-अपने लिए धन इकट्ठा कर लिया है, लेकिन कांग्रेस में कार्यकर्ताओं की कोई इज्जत नहीं होती। भरे मंच से चलते भाषण में माइक खींच लिया जाता है।

# बिर्रा पुलिस ने जुआ खेल रहे ग्यारह जुआरियों को दबोचा

## नगदी 41,700 रूपये एवं तास पत्ती जब्त

**जांजगीर चांपा /** बिर्रा पुलिस ने जुआ खेल रहे ग्यारह जुआरियों को धर दबोचा है । ज्ञात हो कि पुलिस अधीक्षक जांजगीर-चाम्पा विजय कुमार पाण्डेय आईपीएस के निर्देशन में जुआ सट्टा पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु पुलिस द्वारा लगातार कार्यवाही की जा रही है । इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार कश्यप के कुशल मार्गदर्शन में एवं एसडीओपी चांपा यदुमणी सिदार के नेतृत्व में थाना बिर्रा पुलिस द्वारा दिनांक 27.09.2025 को जुआ एक्ट के तहत कार्यवाही किया गया जिसमें मुखबीर की सूचना पर बिर्रा पुलिस स्टॉफ के द्वारा ग्राम तालदेवरी मुक्तीधाम के पास घेराबंदी कर

मुखबिर के बताये स्थान पर जाकर रेड की कार्यवाही कर जुआडियानों को पकड़ा गया जिनके विरूद्ध विधिवत् धारा 3(2) छ.ग. जुआ (प्रतिषेध) अधिनियम 2022 के तहत कार्यवाही किया गया । पकड़े गए जुआरियों में संपत लाल पिता लीलु राम बर्मन उम्र 33 वर्ष साकिन सेंदरी थाना जैजैपुर , बाबूलाल खुंटे पिता स्व. भागवत खुंटे उम्र 55 वर्ष साकिन तालदेवरी थाना बिर्रा , धनाराम पिता हीरालाल उम्र 35 वर्ष साकिन बोरसी थाना बिर्रा ,संदीप साहू उर्फ सडवा पिता स्व.मोहित राम उम्र 45 वर्ष साकिन तालदेवरी थाना बिर्रा , गुलशन कुमार साण्डे पिता नेहरू लाल साण्डे उम्र 27वर्ष साकिन सेंदरी थाना जैजैपुर , सतपाल बघेल पिता छेदीलाल उम्र 33 वर्ष साकिन मुक्ता थाना जैजैपुर जिला सक्ती , शत्रुहन कश्यप पिता गेंदराम उम्र 30 वर्ष साकिन सोनादह थाना बिर्रा, लोकनाथ खुंटे पिता प्रेमलाल खुंटे उम्र 29 वर्ष साकिन सोनादह थाना बिर्रा, कृष्णा मनहर पिता जमुना प्रसाद मनहर उम्र 27वर्ष साकिन सोनादह थाना बिर्रा, दुर्गेश साण्डे पिता खीकराम साण्डे उम्र 20 वर्ष साकिन तालदेवरी थाना बिर्रा , दिनेश कुमार महंत पिता नारायण दास महंत उम्र 42 वर्ष साकिन बंसूला थाना बिर्रा शामिल है। उपरोक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी बिर्रा निरीक्षक जय कुमार साहू , स0उ0नि0 मुकेश कुमार पाण्डेय, प्र.आर. अनिल अजगल्ले, प्र.आर. दोमनिक तिग्गा आरक्षक लक्ष्मीनारायण कश्यप, रघुवीर यादव, सनोहर जगत, भुवनेश्वर साहू, राजकुमार जोशी , डंडेश्वर बंजारे एवं महिला आरक्षक ऋतु लहरे का विशेष योगदान रहा।

# छत्तीसगढ़ प्रगतिशील पेंशनर कल्याण संघ के पदाधिकारी एवं सदस्य हुए शामिल

## एस बी आई मुख्य शाखा में पेंशनरों की हुई बैठक

## पेंशनरों को जीवन प्रमाण पत्र जमा करने एवं अन्य जानकारियों दी गईं

जांजगीर चांपा /

भारतीय स्टेट बैंक ऑफ इंडिया मुख्य शाखा जांजगीर द्वारा गत शुक्रवार को बैंक परिसर में पेंशनरों के कल्याणार्थ एक बैठक का आयोजन किया गया। उल्लेखनीय है कि बैंक की ओर से मुख्य शाखा प्रबंधक ज्योत्सना सिंह द्वारा समय - समय पर बैठक लेकर पेंशनरों को आने वाली बैंक सम्बंधी समस्याओं से रूबरू होकर उन्हें बैंक के अद्यतन नियामों एवं विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्रदान की जाती रहती है। इसी कड़ी में गत शुक्रवार 26 सितंबर को मुख्य शाखा प्रबंधक ज्योत्सना सिंह द्वारा छत्तीसगढ़ प्रगतिशील पेंशनर कल्याण संघ के साथ बैठक की शुरूआत सभी पेंशनरों की कुशलता की कामनाओं के साथ की गई। दिनों दिन बढ़ रहे साइबर ठगी से बचने के लिए बचत खाते में बड़ी रकम न

रखकर अन्य बचत/ बीमा योजना या फिक्स डिपोजिट करने, रकम के नगदी प्रवाह प्रबंधन को सुरक्षित बनाए रखने के लिए खाते में एम ओ डी के विकल्प को अपनाने, सुकन्या जमा योजन सहित विभिन्न जमा योजनाओं में पेंशनरों को ज्यादा ब्याज दर मिलने तथा कम ब्याज दर पर विभिन्न ऋण सुविधाएं देने आदि की जानकारी प्रदान की गई। मुख्य शाखा प्रबंधक द्वारा बैंक से संबंधित आने वाली विभिन्न कठिनाइयों के संबंध में सुझाव भी आमंत्रित किए गए तथा पेंशनरों के द्वारा पूछे गए प्रायः बैंकिंग संबंधी आने वाली समस्याओं के सवालों का शंका समाधान करते हुए प्रत्येक माह 1 से 10 तारीख तक पेंशनरों के लिए काउंटर नंबर 4 पर विशेष सुविध प्रदान करने तथा दीपावली के अवसर पर 3 दिन पूर्व रकम आहरण करने पर सीमित मात्रा में नए नोट भुगतान देने , सेविंग आदि सभी खताओं में नॉमिनेशन कराने , एक नवंबर से सभी पेंशनरों, परिवार पेंशनरों जीवन प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने की बैंक में उपलब्ध सुविधा की जानकारी भी मुख्य शाखा प्रबंधक दी गई।

एस बी आई जांजगीर की इस बैठक में छत्तीसगढ़ प्रगतिशील पेंशनर कल्याण संघ के प्रदेश अध्यक्ष आर के थवाईत, प्रांतीय सलाहकार इंजी. आर एस क्षत्रिय, प्रांतीय पदाधिकारी श्री मति कविता तिवारी, सुरेंद्र सिंह राठौर, इंजी. सोहन डहरिया , इंजी. देवी प्रसाद राठौर,इंजी. बी पी निर्मलकर ,विनीत सालोमन, जिला पदाधिकारी सचिव के सी राठौर, कोषाध्यक्ष डी एन देवांगन, जिला मीडिया प्रभारी एवं कार्यक्रम अधिकारी प्रद्युम्न शर्मा, उपाध्यक्ष अशोक राठौर 2, डी के शर्मा, आर बी तिवारी, आनंद साहू, नन्द किशोर मिश्रा ,सुशील कुमार पाण्डेय, राजेंद्र कुमार शर्मा, जगदीश चंद्र राठौर, जे राय , विश्वनाथ सिंह बैस, एस एन देवांगन, पंचराम कश्यप, मनहरण लाल राठौर, एम एम तिवारी, शेख गुलज़ार मोहम्मद,एच पी राठौर, बी पी थवाईत, वीरेंद्र सिंह राठौर एवं संघ के जिला अध्यक्ष /प्रांतीय प्रवक्ता संतोष राठौर आदि पेंशनर शामिल हुए। बैंक प्रबंधन की ओर से सहायक प्रबंधक व स्टाफ सहित संजू बरेठ आदि उपस्थित रहे। बैठक के अंत में संघ के जिला अध्यक्ष संतोष राठौर द्वारा बैठक के लिए बैंक प्रबंधन का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए प्रत्येक तिमाही में इस तरह की बैठक आहूत करने बैंक प्रबंधन से अनुरोध किया गया जिसे मुख्य शाखा प्रबंधक द्वारा स्वीकार किया गया।

# युवकों से दुर्गा पंडाल नैला क्षेत्र में अब तक दो हजार स्टील के कड़े पुलिस ने किए जमा : चार छोटा चाकू भी बरामद

**जांजगीर चांपा /** युवकों से जांजगीर पुलिस ने दुर्गा पंडाल नैला क्षेत्र से अब तक दो हजार स्टील के कड़ा जमा लिए हैं जिनका उपयोग संभावित रूप से हमलों में किया जा सकता था । इसके साथ ही चार चाकू भी बरामद किया गया है । इस कार्रवाई के दौरान कई कड़े इतने भारी और खतरनाक पाए गए कि उन्हें हथियार के रूप में इस्तेमाल भी किया जा सकता था।

कार्रवाई के दौरान निम्नलिखित कदम उठाए गए जिसमें नैला मेले में घूमने वाले उन युवकों की पहचान की गई, जिनके व्यवहार में संदेह था और जो समूह बनाकर संदिग्ध गतिविधियों में लिप्त दिख रहे थे। युवकों से कड़े निकलवाए गए और जमा कराए गए। नवरात्रि पर्व के दौरान सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए पुलिस की तैनाती की गई है। पुलिस द्वारा असामाजिक तत्वों के व्यक्तियों पर सतत निगाह रखने हेतु लगातार भीड़ भाड़ जगहों पर पेट्रोलिंग की जा रही है एवं संदिग्ध व्यक्तियों पर नजर रखी जा रही है। नव पर्व की सुरक्षा व्यवस्था को विशेष ध्यान रखते हुए रात्रि में भी विशेष गस्त किया जा रहा है। जांजगीर-चांपा पुलिस की इस कार्रवाई से नवरात्रि पर्व के दौरान सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने में मदद मिलेगी।

**सुरक्षा व्यवस्था के तहत पुलिस की सक्रिय उपस्थिति** – अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जांजगीर उमेश कुमार कश्यप एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यातायात उदयन बेहार के नेतृत्व में निरीक्षक मणिकांत पाण्डेय थाना प्रभारी जांजगीर* पुलिस टीम द्वारा लगातार नैला पंडाल, मेले में पेट्रोलिंग की जा रही है, और संदिग्ध गतिविधियों पर पैनी नजर रखी जा रही है, किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा उपाय लागू किए गए।

इस पूरे अभियान की फोटो और वीडियो संकलित किए गए हैं। प्रेस के माध्यम से जनता को भी यह संदेश दिया जा रहा है कि नैला मां दुर्गा पंडाल एवं मेले की शांति, सुरक्षा एवं धार्मिक माहौल को बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है।

खास खबर

## रेलवे व पुलिस अधिकारीयो ने जांची सुरक्षा, स्टेशन में किया गया मॉकड्रिल

**कोरबा,।** रेलवे स्टेशन में पुलिस और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने संयुक्त मॉकड्रिल का आयोजन किया। इस दौरान डॉग स्क्वायड की मदद से ट्रेन और प्लेटफॉर्म की गहन जांच की गई।

कोरबा जिला पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी के निर्देश पर यह अभ्यास किया गया। एएसपी नीतिश ठाकुर के मार्गदर्शन में सीएसपी भूषण एक्का और रक्षित निरीक्षक अनथ राम पैकरा 17 अधिकारियों के साथ स्टेशन पहुंचे। आरपीएफ प्रभारी सुजीत कुमार अपने 13 कर्मचारियों के साथ पहले से मौजूद थे। अभ्यास के दौरान प्लेटफॉर्म पर एक बैग रखा गया। खोजी कुत्ते की मदद से बैग में रखे सामान की पहचान की गई। टीम ने संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान का अभ्यास भी किया। करीब एक घंटे तक चले इस अभ्यास के दौरान यात्री चिंतित दिखे। आरपीएफ नियमित रूप से विशेष जांच अभियान चलाती है। इसमें संदिग्ध व्यक्तियों पर कार्यवाही की जाती है और यात्रियों की शिकायतों को गंभीरता से लिया जाता है। यह अभ्यास रेलवे स्टेशन पर किसी भी आपात स्थिति से निपटने की तैयारी का हिस्सा था।

## बालको के कनेक्ट कोचिंग प्रोग्राम से युवाओं को मिलेगी नि:शुल्क कोचिंग सुविधा

**कोरबा-बालकोनगर** । भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने अपने सामुदायिक विकास परियोजना के अंतर्गत शिक्षा सशक्तिकरण कार्यक्रम के अंतर्गत प्रदेश के प्रतिष्ठित पाथ आईएएस अकादमी के सहयोग से महत्वाकांक्षी पहल की शुरूआत की है। इस पहल के अंतर्गत छत्तीसगढ़ के प्रतिभाशाली युवाओं को सीजीपीएससी एवं व्यापम परीक्षाओं की उच्चस्तरीय निरूशुल्क कोचिंग उपलब्ध कराई जाएगी। इस कार्यक्रम का उद्देश्य राज्य के युवाओं को उच्चस्तरीय शैक्षणिक सहयोग उपलब्ध कराना और उन्हें सार्वजनिक सेवा तथा नेतृत्व की भूमिकाओं के लिए तैयार करना है। कार्यक्रम की प्रमुख विशेषताओं से पाथ आईएएस अकादमी के विशेषज्ञ शिक्षकों द्वारा शिक्षण, अनुकूलित पाठ्यक्रम, अध्ययन सामग्री, मॉक टेस्ट, नियमित मूल्यांकन एवं शंकाओं का समाधान, पूर्णतः प्रायोजित कार्यक्रम, छात्रों पर कोई वित्तीय बोझ नहीं और छत्तीसगढ़ के युवाओं के लिए सार्वजनिक सेवा में करियर बनाने का सुनहरा अवसर प्राप्त होगा।

पंजीयन की अंतिम तिथि 1 अक्टूबर 2025 से पहले बालको सभी पात्र युवाओं से आग्रह करता है कि वे इस अवसर का अधिकतम लाभ उठाएँ और अपने उज्ज्वल भविष्य की दिशा में कदम बढ़ाएँ। दिनांक 03 अक्टूबर 2025 को प्रवेश परीक्षा सह्या कन्याशाला स्कूल, कोरबा में संपन्न होगा।

# निगम सेवाओं से जुड़ी शिकायतों का निराकरण करा सकेंगे आमजन

**निगम में डिजिटलीकरण की शुरूआतः- निगम द्वारा घर-घर लगाए जाएंगे डिजिटल डोर नम्बर प्लेट, क्यू.आर.स्कैन कर घर बैठे करों का भुगतान**

**महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय व सभापति श्री नूतन सिंह ठाकुर की उपस्थिति में डिजिटल डोर नम्बर प्लेट सिस्टम की लाचिंग की**

**कोरबा** । नगर पालिक निगम कोरबा में डिजिटल क्रांति की शुरूआत की कड़ी में निगम द्वारा अपने क्षेत्र के समस्त घरों व दुकानो में डिजिटल डोर नम्बर प्लेट लगाए जाएंगे, जिनकी शुरूआत कर दी गई है। प्लेट में लगे क्यू.आर. का स्कैन कर आमनागरिक घर बैठे निगम के समस्त करों की जानकारी व भुगतान करने के साथ ही निगम की विभिन्न सेवाओं व सुविधाओं से जुड़ी शिकायतों को भी दर्ज कराकर उनका त्वरित निराकरण पाएंगे, वहीं आपातकालीन सेवाएं भी प्राप्त कर सकेंगे। आज महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय व सभापति श्री नूतन सिंह ठाकुर की उपस्थिति में डिजिटल डोर नम्बर प्लेट सिस्टम की लाचिंग की है। नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा निगम के डिजिटलीकरण की शुरूआत करते हुए डिजिटल डोर नम्बर प्लेट सिस्टम की लाचिंग की है। घंटाघर स्थित साहित्य भवन सभागार में महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय, सभापति श्री नूतन सिंह ठाकुर, मेयर इन काउंसिल के सदस्य अजय कुमार चन्द्रा व ममता यादव की उपस्थिति में माँ सरस्वती की पूजा अर्चना कर एवं डिजिटल नम्बर प्लेट सिस्टम का कम्प्यूटर बटन ऑन कर सिस्टम की लाचिंग की। नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा डिजिटल डोर नम्बर प्लेट एक अनोखी पहल है, जो घरों व व्यवसायिक प्रतिष्ठानों को डिजिटल नम्बर प्रदान करती है, यह तकनीक क्यू.आर.कोड व जियो टैगिंग जैसी सुविधाओं के साथ है, जिसमें निगम के करों का भुगतान, नागरिक सेवाओं व शिकायतों से जुड़ी शिकायतों व आपातकालीन सेवाओं सहित अन्य सेवाओं को शामिल किया गया है।

निगम क्षेत्र के नागरिकों को मिलेगी घर बैठे सुविधा - इस मौके पर महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि घरों व दुकानों में डिजिटल डोर नम्बर प्लेट लगने से हमारे नागरिकों को घर बैठे विभिन्न सुविधाएं मिल सकेंगी, निगम में यह डिजिटलीकरण की शुरूआत व एक अनोखी पहल है। उन्होने कहा कि निगम आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय की सकारात्मक सोच व उनकी इच्छाशक्ति से यह व्यवस्था आई.सी.आई.सी.आई. बैंक के सहयोग से लागू की जा रही है, जिसके लिए मैं आयुक्त श्री पाण्डेय को साधुवाद देती हूँ। आगे निगम के कार्यो में और अधिक बेहतरी आएगी, पारदर्शिता बढ़ेगी, समस्याओं व शिकायतों का और अधिक तेजी से त्वरित निराकरण होगा, मैं ऐसा विश्वास रखती हूँ।

कोरबा नगर निगम डिजिटल नगर निगम बनने की ओर अग्रसर - इस मौके पर आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय ने अपने उद्बोधन में कहा कि कोरबा नगर निगम अब डिजिटल नगर निगम बनने की ओर अग्रसर हो रहा है, आज महापौर जी के द्वारा डिजिटल डोर नम्बर प्लेट सिस्टम की लाचिंग की गई है, यह निगम के डिजिटल क्रांति की क्षण है। पहले जो काम मेन्युअल रूप से किए जाते थे, वह अब डिजिटल रूप से किए जाएंगे, निगम के करदाता घर बैठे अपने सभी करों का भुगता कर सकेंगे, वहीं साफ-सफाई, पेयजल, भवन अनुज्ञा, स्ट्रीट लाईट व निगम सेवाओं से संबंधित अन्य कार्यो से जुड़ी शिकायतें क्यू.आर.कोड स्कैन कर भेजी जा सकेंगी, जो सीधे संबंधित अधिकारियों के पास पहुंचेगी तथा उनका त्वरित निराकरण होगा। इस मौके पर आयुक्त श्री पाण्डेय ने निगम के अधिकारी कर्मचारियों का आव्हान करते हुए कहा कि सभी अधिकारी कर्मचारी इस सिस्टम को आत्मसात करते हुए इस पर कार्य करें तथा नागरिकजनों को भी इस सिस्टम की कार्यप्रणाली से भलीभाति अवगत कराएं।

महापौर, आयुक्त की सकारात्मक सोच का परिणाम है यह सिस्टम - इस मौके पर सभापति श्री नूतन सिंह ठाकुर ने अपने उद्बोधन में कहा कि डिजिटल डोर नम्बर प्लेट सिस्टम महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत व आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय की सकारात्मक सोच का परिणाम है तथा वास्तव में यह निगम में डिजिटल क्रांति की शुरूआत है। अब आमनागरिक घर बैठे क्यू.आर.कोड का स्कैन कर सभी जानकारी प्राप्त कर सकेंगे, शिकायतें दर्ज करा सकेंगे व उनका निराकरण पा सकेंगे, साथ ही घर बैठे ही निगम को देय करों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे तथा डिजिटल रूप से उसका भुगतान कर सकेंगे। उन्होने कहा कि मुझे विश्वास है कि आमनागरिकनिगम की इस सुविधा का पूरा-पूरा लाभ लेंगे।

# प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना : उजाला फैलाने के साथ आत्मनिर्भरता की राह दिखा रहे हैं श्री भात्रा'

**बिजली उपभोक्ता से उत्पादक बने, ऊर्जा आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ता छत्तीसगढ़'**

**कोरबा** भारत के विकास की राह अब सूरज की रोशनी से रोशन हो रही है। इसी दिशा में प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना ने ऊर्जा आत्मनिर्भरता की नई परिभाषा गढ़ी है। यह योजना केवल बिजली बचत का उपाय नहीं, बल्कि हर घर को भविष्य की ऊर्जा क्रांति से जोड़ने वाला सेतु है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में शुरू हुई यह पहल नागरिकों को उपभोक्ता से उत्पादक बना रही है। अब हर छत सिर्फछत नहीं, बल्कि ऊर्जा का स्रोत है। यही कारण है कि सूर्यघर योजना आज स्वच्छ ऊर्जा, आत्मनिर्भरता और सतत विकास का सबसे मजबूत आधार स्तंभ बन चुकी है।

छत्तीसगढ़ जैसे ऊर्जा-समृद्ध राज्य में इस योजना का क्रियान्वयन विशेष महत्व रखता है। अब तक राज्य मुख्य रूप से कोयला और पारंपरिक स्रोतों से बिजली उत्पादन पर निर्भर रहा है, लेकिन सूर्यघर योजना के माध्यम से यहाँ के लोग स्वच्छ ऊर्जा अपनाने की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ रहे हैं। यह पहल न केवल पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से उपयोगी है बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए विकास का मार्ग भी प्रशस्त कर रही है। प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना का असर केवल घरेलू जीवन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह देश की अर्थव्यवस्था और ऊर्जा आत्मनिर्भरता को भी मज़बूत कर रही है।

कोरबा जिले के खरमोरा निवासी श्री दीपक किशोर भात्रा, जो पेशे से व्यापारी हैं, ने अपने घर की छत पर तीन किलोवाट का सोलर पैनल लगवाया है। उन्हें इस योजना की जानकारी अपने परिचितों से मिली, योजना का लाभ सुनते ही उन्होंने बिना देर किए आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से आवेदन किया। आवेदन के तुरंत बाद ही विशेषज्ञ टीम ने उनके घर पर सोलर पैनल स्थापित कर दिया। आवेदन के कुछ ही दिनों में उनके खाते में केंद्र सरकार की ओर से रूपये 78 हजार की सब्सिडी सीधे जमा हो गई। इससे उन्हें आर्थिक बोझ महसूस नहीं हुआ। अब उनके घर के सभी उपकरण बिना किसी रुकावट के आसानी से चलते हैं।

श्री भात्रा बताते हैं कि सोलर पैनल की कुल लागत लगभग रूपये 2 लाख 10 हजार आई, लेकिन सरकार की सब्सिडी मिलने से उनका वास्तविक निवेश बेहद कम रह गया। उनका कहना है कि आज जहाँ अधिकांश लोग कोयले और अन्य पारंपरिक साधनों पर निर्भर हैं,

## राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस पर विविध कार्यक्रमों का हुआ आयोजन

कोरबा, संवाददाता।

आयुष संचलानालय रायपुर एवं कलेक्टर कोरबा श्री अजीत वसंत के निर्देशन में महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूतएवं नगर निगम आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय की उपस्थितितथा जिला आयुष अधिकारी डॉ. उदय शर्मा के नेतृत्व में दसवें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस मनाया गया।आयुर्वेद दिवस पर आयुर्वेदा फॉर पीपुल एंड प्लांनेटथीम अनुरूप आयुर्वेद दिवस मनाते हुए रन फॉर आयुर्वेदा, योगा एवं संगोष्ठी कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम का प्रारंभ रन फॉर आयुर्वेदा नगर निगम आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय ने शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय साडा टी.पी. नगर कोरबामें छात्राओं को हरी झंडी दिखाकर प्रारंभ किया। जिसमें 190 छात्राओं ने भागीदारी निभाई। शाला में उपस्थित समस्त छात्राओं को योग कराया गया। तत्पश्चात् शाला में योगा एवं आयुर्वेद से संबंधित प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए पुरूस्कार वितरण किया गया। संगोष्ठी कार्यक्रम, एकेडेमिक ओरियंटेशन कार्यक्रम, सेमीनर एवं वाद-विवाद तथा पेनल डिस्कसन का आयुष विभाग द्वारा आयोजन किया गया।

दसवें आयुर्वेद दिवस का कार्यक्रम के अवसर पर शासकीय आयुश पॉलीक्लिनिक डिंगापुर कोरबा में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें मरीजों को आयुष पद्धति से उपचार कर लाभान्वित किया गया।

## सात साल की बच्ची को पानी भरे ड्रम में डुबाया

**पड़ोसियों की सजगता से बची बच्ची की जानय आरोपी बोला- मजाक कर रहा था, बस्ती के गुस्से का शिकार होने के बाद गिरफ्तार**

कोरबा

मानवता को शर्मसार कर देने वाली एक घिनौनी वारदात कोरबा के सीतामणी क्षेत्र में सामने आई है। नशे में चूर एक वहशी युवक ने सारी हदें पार करते हुए घर के पास खेल रही सात साल की बच्ची को जबरदस्ती उठाकर पानी से भरे एक नीले ड्रम के अंदर धकेल दिया।

माँ और पड़ोसी बच्ची ने किया मौत के मुँह से बाहर

यह घटना किसी भयावह सपने से कम नहीं थी। बच्ची की जान केवल उसकी माँ और एक पड़ोसी बच्ची की सूझबूझ के कारण बच पाई। जब बच्ची की माँ घर पर थीं, तभी एक पड़ोसी बच्ची दौड़कर आई और चीखकर बताया कि किसी ने उनकी बेटी को ड्रम में डाल दिया है।

**मां पहुंची और मचाया शोर**

माँ तुरंत मौके पर पहुँचीं और जोरदार शोर मचाया। उन्होंने तुरंत बच्ची को पानी भरे नीले ड्रम से बाहर निकाला, जिसके बाद मासूम की जान बच सकी।

**एक को सबक सिखाया लोगों ने,दो हो गए फरार**

इस जघन्य कृत्य को अंजाम देते समय आरोपी सूरज मांझी (21 वर्ष) के साथ दो अन्य युवक भी थे, जो हंगामा होते ही कायरता दिखाते हुए मौके से भाग निकले।

# श्री सर्वेश्वरी समूह का 65वां स्थापना दिवस धूमधाम से संपन्न

**कोरबा-बालकोनगर** । '' श्री सर्वेश्वरी समूह के सेवा कार्य सराहनीय व अनुकरणीय हैं। सामाजिक संस्थाओं में सर्वेश्वरी समूह अग्रणी है। '' ये उद्गार छत्तीसगढ़ के उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने बालकोनगर दैहानपारा स्थित अवधूत आश्रम में आयोजित श्री सर्वेश्वरी समूह के 65वें स्थापना दिवस समारोह में व्यक्त किए।

श्री देवांगन ने कहा कि अघोरेश्वर भगवान राम का मार्ग मानवता को सत्य के मार्ग पर ले जाने वाला है। उन्होंने कहा कि पूज्य बाबा की कृपा ग्रहण करने की पात्रता हम सबको विकसित करनी चाहिए। परस्पर सहयोग और सद्भावना से पूज्य अघोरेश्वर के मानव एवं राष्ट्र सेवा के संकल्प को हम सभी निरंतर आगे बढ़ाएं। बालकोनगर के वार्ड क्रमांक 42 के पार्षद और अवधूत भगवान राम सेवाश्रम बालकोनगर के पदाधिकारी श्री सत्येंद्र दुबे ने कहा कि हमें जीवन के प्रत्येक क्षण का सदुपयोग निर्माण और रचनात्मक कार्यों में करना चाहिए। उन्होंने कहा कि निःस्वार्थ भाव से जरूरतमंदों की सेवा सबसे बड़ी पूजा है। इस अवसर पर कोरबा जिला भाजपा अध्यक्ष श्री प्रफुल्ल तिवारी सहित अनेक जन प्रतिनिधि मौजूद थे।

बालकोनगर समूह के शाखा मंत्री श्री संतोष शांडिल्य ने बताया कि सर्वेश्वरी समूह की स्थापना जरूरतमंदों की सेवा के लिए हुई है। पूरी दुनिया को एक परिवार के रूप में देखना ही समूह का उद्देश्य है। 19 सूत्रीय कार्यक्रम समूह शाखाओं द्वारा संचालित हैं। श्री शांडिल्य ने कहा कि दूसरों की मदद के लिए तत्पर रहने में ही जीवन की सार्थकता है। समूह के 19 सूत्रीय कार्यक्रम के अंतर्गत आश्रम प्रांगण से प्रभात फेरी निकाली गई। श्रद्धालुओं ने सफ्लयोनी पाठ किया। बालकोनगर के सभी मंदिरों, मस्जिद, चर्च और गुरुद्वारा में झाड़ु वितरण किया गया। संध्या भजन-कीर्तन के बाद विचार गोष्ठी आयोजित की गई। श्री अशोक सिंह, श्री मनीष शांडिल्य, श्री आलोक शर्मा, श्री कृषानु दास, श्री अशोक कुमार, श्री गुलाब राणा, श्री सेवक सिंह क्षत्रिय, श्री रामायण सूर्यवंशी, श्री आलोक शर्मा, श्री राधेश्याम कुंभकार, श्रीमती राजकुमारी देवांगन, श्रीमती विमला क्षत्रिय, श्रीमती अलका सिंह, श्रीमती हेमलता शांडिल्य, श्रीमती बिंदु दुबे, श्रीमती कुसुम शर्मा, सुश्री ज्योति शर्मा ने आयोजन में उत्कृष्ट योगदान दिया।

# महापौर, आयुक्त ने लिया रामलीला आयोजन की तैयारियों का जायजा

**28 सितम्बर से 02 अक्टूबर तक ओपन थियेटर मैदान घंटाघर में होगा भव्य रामलीला का आयोजन**

**कोरबा संवाददाता।** महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत एवं आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय ने घंटाघर ओपन थियेटर मैदान स्थित रामलीला स्थल पहुंचकर रामलीला आयोजन की विभिन्न तैयारियों का जायजा लिया तथा निगम के अधिकारियों की स्थल पर ही बैठक लेकर तैयारियों के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस मौके पर आयोजन समिति के सचिव व पार्षद श्री अशोक चावलानी सहित निगम के अधिकारी कर्मचारी व आयोजन समिति के सदस्यगण उपस्थित थे। नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत की विशेष पहल पर पहली बार भव्य रामलीला एवं दशहरा मेला का आयोजन किया जा रहा है। 28 सितम्बर से 02 अक्टूबर 2025 तक यह आयोजन कोरबा शहर के घंटाघर स्थित ओपन थियेटर मैदान में किया जाएगा, आयोजन प्रतिदिन सायं 07 बजे से रात्रि 10.30 बजे तक होगा, जिसमें बनारस की प्रसिद्ध रामलीला मंडली द्वारा रामलीला का मंचन, भव्य लेजर शो से रामायण प्रदर्शन व मनोहारी आतिशबाजी एवं रावण दहन का कार्यक्रम रखा गया है। नगर निगम कोरबा द्वारा स्थल पर भव्य डोम स्थापित कर आयोजन की तैयारियॉ की जा रही हैं। महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत व आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय ने रामलीला स्थल पहुंचकर की जा रही तैयारियों का जायजा लिया एवं स्थल पर ही अधिकारियों की बैठक लेकर तैयारियों के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए उनका मार्गदर्शन किया। उन्होने इस दौरान मंच व्यवस्था, बैठक व्यवस्था, राम दरबार मंच, दर्शनदीर्घा, मंच संचालन, बेरिकेटिंग, डेकोरेशन एवं लाईटिंग व विद्युत व्यवस्था, पार्किंग व्यवस्था, पेयजल, प्रसाद वितरण व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था, साफ-सफाई तथा स्थल पर शासकीय योजनाओं के स्टाल सहित अन्य विभिन्न व्यवस्थाओं पर अधिकारियों का मार्गदर्शन किया। इस मौके पर नोडल अधिकारी अखिलेश शुक्ला, जोन कमिश्नर भूषण उरांव, प्रकाश चन्द्रा, विनोद शांडिल्य, तपन तिवारी, कार्यपालन अभियंता राकेश मसीह, पूर्व पार्षद वैशाली रत्नपारखी, प्रवीण रत्नपारखी व दीपक यादव, आरिफ खान, संदीप सहगल, मंटू सिंह, संपदा अधिकारी अनिरूद्ध सिंह, सहायक राजस्व अधिकारी सुमित गुप्ता, वरिष्ठ स्वच्छता निरीक्षक सुनील वर्मा, सचीन्द्र थवाईत, आनंद राठौर, सहायक अभियंता रमेश सूर्यवंशी, विपिन मिश्रा, सोमनाथ डेहरे, गिरीश साहू, अरूण मिश्रा आदि के साथ अन्य लोग उपस्थित थे।

**28 सितम्बर से 02 अक्टूबर तक आयोजन** - भव्य रामलीला एवं दशहरा मेला का आयोजन 28 सितम्बर से 02 अक्टूबर तक किया जाएगा, निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 28 सितम्बर को पुष्पवाटिका प्रसंग, धनुष यज्ञ, लक्ष्मण परशुराम संवाद, रामतिलक प्रसंग, मंथरा कैकेई संवाद, 29 सितम्बर को रामबन गमन, केंवट प्रसंग, दशरथ देवलोक गमन, भरत मिलाप, 30 सितम्बर को पंचवटी प्रसंग, सीताहरण, राम हनुमान मिलन, राम सुग्रीव मैत्री, बाली वध, अशोक वाटिका प्रसंग एवं लंका दहन, 01 अक्टूबर को सेतुबंध, अंगद रावण संवाद, लक्ष्मण शक्ति, मेघनाथ रावण वध व राज्याभिषेक तथा अंतिम दिवस 02 अक्टूबर को लेजर शो में रामायण प्रदर्शन, आतिशबाजी एवं रावण दहन के कार्यक्रम रखे गए हैं।

## प्रेमलता यादव ने कोरबा वन प्रभागीय अधिकारी का संभाला कार्यभार

**कोरबा** वन विभाग में आज उस वक्त एक नए अध्याय की शुरुआत हुई, जब आईएफएस प्रेमलता यादव ने कोरबा वन प्रभागीय अधिकारी का कार्यभार संभाला। दोपहर 2.15 बजे कोरबा वन विभाग कार्यालय पहुंचने पर अधिकारियों और कर्मचारियों ने उनका गरिमापूर्ण स्वागत किया।

गरिमापूर्ण स्वागतः प्रेमलता यादव का स्वागत करते हुए प्रभारी डीएफओ कुमार निशांत ने उन्हें नए पद का जिम्मा सौंपा।

कार्यभार संभालने के बाद बयानः प्रेमलता यादव ने कहा कि वन संरक्षण और स्थानीय जैव विविधता को सुरक्षित रखना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी।

टीम वर्क और पारदर्शिताः प्रेमलता यादव ने अधिकारियों और कर्मचारियों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि टीम वर्क और पारदर्शिता के साथ वन विभाग के सभी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू किया जाएगा।

वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों का समर्थनः वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी प्रेमलता यादव का स्वागत करते हुए भरोसा जताया कि उनके नेतृत्व में कोरबा वन क्षेत्र में नए विकास और संरक्षण की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे।

प्रेमलता यादव कीपहले की भूमिकाएंः प्रेमलता यादव पहले कटघोरा डीएफओ और अन्य जिलों में वन विभाग में महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभा चुकी हैं।

नए पद पर अपेक्षाएंः अधिकारी उम्मीद जताते हैं कि उनके नेतृत्व में वन विभाग की कार्यशैली और ग्रामीण वन संरक्षण परियोजनाओं में नई गति आएगी।

सकल दिगंबर जैन समाज रायपुर का सामूहिक क्षमा वाणी मैत्री महोत्सव को लेकर बैठक।

# दुर्ग जिले के दो शिक्षक निलंबित

## जांच में सामने आई गंभीर लापरवाही और अनुशासनहीनता

**दुर्ग,** जिले के पाटन विकासखंड स्थित शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला महुदा में पदस्थ दो शिक्षकों को गंभीर कदाचार और लापरवाही के आरोपों के चलते निलंबित कर दिया गया है। संभागीय संयुक्त संचालक (शिक्षा), दुर्ग आर.एल. ठाकुर ने शिक्षक एलबी प्रफुल्ल साहू और शिक्षिका एलबी सीमा शर्मा के विरुद्ध यह कार्रवाई की है। दोनों को तत्काल प्रभाव से निलंबन आदेश जारी किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, शिक्षक प्रफुल्ल साहू पर आरोप है कि उन्होंने त्रैमासिक परीक्षा ड्यूटी के दौरान एक छात्र से अपना मोबाइल लेकर सेल्फी स्टिक के साथ फोटो और वीडियो बनवाए। इसके अतिरिक्त, विद्यालय की प्रार्थना सभा के दौरान उन्होंने एक सहकर्मी शिक्षिका पर आपत्तिजनक टिप्पणी कर उनका मजाक उड़ाया। जांच में यह भी सामने आया कि पढ़ाई के समय वे हारमोनियम बजाते थे, जिससे पढ़ाई का माहौल बाधित हुआ। वहीं, शिक्षिका सीमा शर्मा पर मध्यान्ह भोजन (एमडीएम) व्यवस्था में लापरवाही बरतने का आरोप है। रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने न तो बच्चों को निर्धारित मात्रा में भोजन उपलब्ध कराया और न ही मेनू के अनुसार भोजन परोसा। इससे बच्चों के पोषण और स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर पड़ा, जबकि यह योजना बच्चों को कुपोषण से बचाने और उन्हें बेहतर शिक्षा माहौल देने के उद्देश्य से संचालित की जाती है।जांच रिपोर्ट में यह भी खुलासा हुआ कि दोनों शिक्षकों ने स्टाफ रूम की बजाय अलग कक्ष में बैठना शुरू कर दिया था।

## मोवा के आदर्श स्कूल में हंगामा,मौके पर पहुंची पुलिस

रायपुर,। राजधानी के मोवा आदर्श विद्यालय में फिर से विवाद हुआ है। पिछली बार स्कूल में एक शिक्षक पर एक स्टूडेंट से छेड़छाड़ का आरोप लगा था तो वही इस बार स्कूल प्रबंधन पर बच्चों के अभिभावकों ने भी एक और आरोप लगाते हुए हंगामा किया है। जानकारी के मुताबिक़ स्कूल प्रबंधन स्कूली बच्चों के कलाइयों में कलावा और माथे पर टीके का विरोध कर रहा है। कई बच्चों ने अपने माता-पिता से शिकायत की है कि, स्कूल में उनके बच्चों के कलाई से कलावा हटाने की कोशिश की गई है। इसी तरह माथे पर टीका लगाने से भी बच्चों को मना किया जा रहा है। इसकी भनक जैसे ही कुछ हिंदूवादी संगठनों को लगी, वे स्कूल पहुँच गये। उन्हें अभिभावकों का साथ मिला और फिर हंगामा होने लगा। हंगामे और नारेबाजी की सूचना पाकर पंडरी पुलिस भी मौके पहुंची और फिर समझाइस दी।

## सिलतरा फैक्ट्री हादसे में 6 श्रमिकों की मौत, कई घायल

**रायपुर,** राजधानी रायपुर के सिलतरा स्थित फैक्ट्री में आज हुए दर्दनाक हादसे में 6 श्रमिकों की मृत्यु हो गई तथा कई श्रमिक गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन की टीम राहत और बचाव कार्य में जुट गई है। मुख्यमंत्री साय ने जिला प्रशासन को घायलों के इलाज की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने इस दुर्घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि यह अत्यंत दुःखद और पीड़ादायक घटना है। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की और ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति एवं शोक संतप्त परिजनों को संबल प्रदान करने की प्रार्थना की।

# 'उत्तम क्षमा, सबसे क्षमा और सबको क्षमा' में बड़प्पन और वसुधैव कुटुम्बकम का संदेश

### मैत्री महोत्सव में शामिल हुए मुख्यमंत्री :उत्कृष्ट कार्य करने वालों को किया सम्मानित, आचार्य विद्यासागर कल्याण सेवा संस्था के लोगो का किया विमोचन

रायपुर, लोकशक्ति।

### 'उत्तम क्षमा, सबसे क्षमा और सबको क्षमा' में बड़प्पन और वसुधैव कुटुम्बकम का संदेश मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज राजधानी रायपुर में सकल दिगम्बर जैन समाज द्वारा आयोजित मैत्री महोत्सव में शामिल हुए। पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में पूज्य आर्यिकारत्न 105 अंतर्मति माताजी ससंघ के मंगल सान्निध्य में आयोजित गुरु शरणम् ङ्क मैत्री महोत्सव ङ्क क्षमादान उत्सव में विधायक श्री राजेश मूणत, जैन समाज के पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने मंच पर पूज्य आर्यिकारत्न 105 अंतर्मति माताजी ससंघ को श्रीफल भेंटकर आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम में जैन समाज की पारंपरिक पगड़ी और गमछा पहनाकर मुख्यमंत्री का सम्मान किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों को सम्मानित किया तथा आचार्य विद्यासागर कल्याण सेवा संस्था के लोगो का विमोचन भी किया।

**मैत्री महोत्सव में शामिल हुए मुख्यमंत्री** मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि मैत्री महोत्सव केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि आत्मिक जागृति और शुद्धिकरण का पावन अवसर है। भारत की पुण्यभूमि केवल सभ्यता और संस्कृति की जननी ही नहीं, बल्कि आध्यात्मिकता की जीवंत प्रयोगशाला भी रही है। यहाँ धर्म केवल पूजा तक सीमित नहीं है, बल्कि जीवन जीने की कला है।

उन्होंने कहा कि भगवान महावीर स्वामी ने 'जियो और जीने दो' का संदेश दिया। हाल ही में मनाए गए क्षमादान पर्व का सार यही है कि 'उत्तम क्षमा, सबसे क्षमा और सबको क्षमा'—यही बड़प्पन है और यही वसुधैव कुटुम्बकम का वास्तविक संदेश है। जैन धर्म ने इस भावना को सबसे सुंदर और गहन रूप में प्रस्तुत किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जैन समाज परोपकारी समाज है और इसके सेवा भाव का लाभ छत्तीसगढ़ को निरंतर मिलता रहेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अहिंसा, अपरिग्रह और अनेकांत के सिद्धांत समरस समाज की आधारशिला हैं। मैं पूज्य आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के पावन स्मरण और पूज्य आर्यिकारत्न 105 अंतर्मति माताजी ससंघ के मंगल सान्निध्य में उन सभी संतों को नमन करता हूँ, जिन्होंने अपने संयम, तप और साधना से समाज को दिशा दी है।

**मैत्री महोत्सव में शामिल हुए मुख्यमंत्री** मुख्यमंत्री ने कहा कि आचार्य श्री विद्यासागर जी का जीवन-दर्शन हम सबके लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने सिखाया कि सच्चा धर्म त्याग, सेवा और आत्मसंयम में है। यह छत्तीसगढ़ का सौभाग्य है कि आचार्य जी ने अपने कठोर साधना के अनेक वर्ष यहाँ व्यतीत किए और चंद्रगिरी तीर्थ पर समाधि ली।

श्री साय ने कहा कि जैन धर्म के तीर्थंकरों के दिए आदर्श—अहिंसा परमो धर्मः, अनेकांतवाद, सत्य और संयम—केवल जैन समाज की धरोहर नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र की आत्मा हैं।

कार्यक्रम में सकल दिगम्बर जैन समाज के अध्यक्ष श्री विनोद बड़जात्या ने आचार्य विद्यासागर कल्याण सेवा संस्था द्वारा संचालित आचार्य विद्यासागर कल्याण योजना की जानकारी दी और समाज के सभी लोगों से इस योजना से जुड़ने की अपील की। सीआईआई के अध्यक्ष श्री संजय बड़जात्या ने भी सभा को संबोधित किया।

## लापरवाही बरतने वाले दो पंचायत सचिव निलंबित

सूरजपुर, प्रधानमंत्री आवास योजना के कार्य में लापरवाही बरतने के चलते दो पंचायत सचिवों को निलंबन का सामना करना पड़ा है। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विजेन्द्र पाटले ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल प्रभाव से दोनों सचिवों को निलंबित करने का आदेश जारी किया।

कल्याणपुर ग्राम पंचायत के सचिव रामकुमार सिंह और बेलटिकरी ग्राम पंचायत के सचिव संतोष विश्वकर्मा पीढा को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 390 आवासों के निर्माण का जिम्मा सौंपा गया था। लेकिन अब तक केवल 98 आवासों का काम पूरा किया गया है, जबकि शेष 292 आवास अधूरे हैं। शासन की प्राथमिकता वाली इस योजना में गंभीर उदासीनता और कार्य में अनियमितता को देखते हुए यह कार्रवाई की गई है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि विकास कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

## आकाशवाणी केन्द्र से होगा सेवा पखवाड़ा पर विशेष वार्ता का प्रसारण

रायपुर, (आरएनएस )। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की एनडीए सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में देश भर में मनाये जा रहे सेवा पखवाड़ा पर भाजपा के मुख्य प्रवक्ता व सांसद श्री संतोष पाण्डेय जी का आकाशवाणी द्वारा साक्षात्कार रिकॉर्ड किया गया है ।

जिसका प्रसारण आकाशवाणी केंद्र रायपुर से इस साक्षात्कार का शनिवार 27 सितंबर, सुबह 9.00 बजे से किया जायेगा । इसे छत्तीसगढ़ स्थित आकाशवाणी के सभी केंद्रों से एक साथ प्रसारण किया जायेगा। कार्यक्रम के प्रस्तुतकर्ता सहायक निर्देशक (समाचार) विकल्प शुक्ला होंगे।

## छीरपानी जलाशय में ओवरफ्लो, चार ग्रामीणों को सुरक्षित निकाला

**रायपुर, (आरएनएस)।** कबीरधाम जिले के मैकल पर्वतीय क्षेत्रो में बीती रात हुई मूसलाधार बारिश से बाढ़ जैसे हालात निर्मित हो गए। जिले का महत्वपूर्ण क्षीरपानी जलाशय जलभराव की अधिकतम क्षमता पर पहुँच गया और ओवरफ्लो की स्थिति बन गई। इसी दौरान देर रात घूमने गए चार ग्रामीण जलाशय के गहरे पानी में फँस गए। दूसरी ओर तारेगांव जंगल मार्ग पर ग्राम भोंदा के समीप पुल बाढ़ के तेज बहाव से क्षतिग्रस्त हो गया, जिससे आसपास के कई गांवों का संपर्क बाधित हो गया और ग्रामीणों की मुश्किलें बढ़ गईं। स्थिति की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों ने तत्काल जिला बाढ़ कंट्रोल कक्ष को सूचित किया। कलेक्टर गोपाल वर्मा ने गंभीरता से संज्ञान लेते हुए जिला बाढ़ आपदा एवं प्रबंधन टीम में शामिल नगर सेना एवं एनडीआरएफ की संयुक्त टीम को तत्काल रवाना किया। टीम में नगर सेनानी, एनडीआरएफ के विशेषज्ञ जवान, जिला प्रशासन के अधिकारी तथा विभिन्न विभागों की रैपिड एक्शन टीमें शामिल थीं। सुबह 10 बजे संयुक्त दल घटनास्थल क्षीरपानी पहुँचा और राहत-बचाव अभियान प्रारंभ किया। एनडीआरएफ की ओर से नियुक्त आब्जर्वर एवं सेनानी सत्रहवीं वाहनी डिप्टी कलेक्टर सहित स्वास्थ्य, खाद्य, वन, परिवहन, पशुधन और विद्युत विभाग के अधिकारी मौके पर मौजूद रहे। जिले के पहाड़ी क्षेत्रों में हुई लगातार बारिश के कारण छीरपानी जलाशय का जलस्तर बढ़ गया था, जिससे 4 ग्रामीण फँस गए थे।

# शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने भाजपा परिवार के साथ सुनी मन की बात का 126 वां एपिसोड

रायपुर,

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मन की बात कार्यकम के 126 वें एपिसोड को संबोधित किया। शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने वार्ड 38 खंडेलवाल कॉलोनी में दुर्ग भाजपा परिवार के साथ मन की बात सुनी। मन की बात सुनने आए क्षेत्रवासियों को केंद्र सरकार के जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी मिली।

पीएम मोदी ने मन की बात में संवाद करते हुए उन्होंने गांधी जयन्ती, भगत सिंह, लता मंगेशकर और RSS के शताब्दी वर्ष को याद किया। पीएम मोदी ने आत्मनिर्भरता और लोकल उत्पादों के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि त्योहारी सीजन में देशी उत्पादों को प्राथमिकता देना न केवल परंपराओं को मजबूत करता है बल्कि छोटे और सीमांत उद्योगों को भी फायदा पहुंचाता है। देश के हस्तशिल्प और हैंडलूम उद्योग में नवाचार, और युवाओं के लिए भगत सिंह जैसे नायकों की प्रेरणा को शेयर किया। पीएम ने दिवाली के पर्व से पहले हर नागरिक से अपील की कि वे स्वदेशी उत्पाद खरीदें और अपने देश की अर्थव्यवस्था को जमीनी स्तर तक मजबूत करें।

**मन की बात में खादी और स्वदेशी को बढ़ावा** – प्रधानमंत्री मोदी ने 2 अक्टूबर के

दिन गांधी जयन्ती के महत्व को याद करते हुए महात्मा गांधी के स्वदेशी और खादी पर जोर की बात की। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता के बाद खादी की लोकप्रियता में कमी आई थी, लेकिन पिछले 11 वर्षों में इसकी मांग और बिक्री में काफी बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने सभी से अपील की कि इस दिन खादी उत्पाद खरीदें और गर्व से उसे स्वदेशी घोषित करें।

इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष महेन्द्र लोढ़ा, कमलेश फेकर, पार्षद रामू सेन, जीतेन्द्र महोबिया, कुलेश्वर साहू, साजन जोसफ, विनीत चोपड़ा, अरुण दुग्गड़, नितिन बरमेचा सहित बड़ी संख्या में सदर मंडल के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

## जनपद पंचायत धमतरी हुआ सेवा पखवाड़ा

धमतरी, संवाददाता।

शासन के निर्देशानुसार दिनांक 17 सितंबर से 02 अक्टूबर तक सेवा पखवाड़ा दिवस मनाया जा रहा है। इसके तहत जनपद पंचायत धमतरी में दिनांक 26 सितंबर को शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें दिव्यांगजनों हेतु परीक्षण मूल्यांकन, प्रमाणीकरण / नीवनीकरण, दिव्यांग प्रमाण पत्र, यु.डी.आई.डी. कार्ड, का पंजीयन / वितरण, ड्रायविंग लायसेंस, श्रम विभाग द्वारा श्रम कार्ड से संबंधित कार्य, स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण, खाद्य विभाग द्वारा राशन कार्ड से संबंधित कार्य, परिवहन विभाग द्वारा बसपास एवं ड्राईविंग लाइसेंस बनाना से संबंधित कार्य के लिए स्टाल लगाया गया। जनपद पंचायत धमतरी द्वारा आयोजित शिविर में कुल 102 मांग/आवेदन प्राप्त हुआ। उक्त शिविर में अंगिरा ध्रुव अध्यक्ष जनपद पंचायत धमतरी, मोनिका देवांगन सभापति, महिला एवं बाल विकास विभाग धमतरी, जिला पंचायत धमतरी, धनेश्वरी साहू सदस्य, जिला पंचायत धमतरी, अमन साहू सभापति कृषि विभाग, जनपद पंचायत धमतरी, कीर्तन मीनपाल, अनिता यादव सदस्य जनपद पंचायत धमतरी, मनीषा पाण्डे उपसंचालक समाज कल्याण विभाग धमतरी, दीपक ठाकुर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत धमतरी, एवं अन्य अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में समाज कल्याण विभाग द्वारा 42 दिव्यांगजनों का पंजीयन किया गया। जिसमें मोट्राईज्ड ट्रायसयकिल, ट्रायसकल, श्रवण यंत्र व्हीलचेयर, यू.डी.आई.डी. कार्ड, छड़ी मांग हेतु 25 आवेदन एवं दिव्यांग प्रमाण हेतु 17 आवदेन शामिल है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा 53 दिव्यांगजन का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, खाद्य विभाग द्वारा कुल 06 दिव्यांगजन का निःशक्त राशन कार्ड बनाया गया एवं श्रम विभाग द्वारा 01 दिव्यांग हितग्राही का नवीन श्रम कार्ड बनाया गया साथ ही परिवहन विभाग द्वारा 25 लोगो का लर्ननिंग लाईसेंस के लिए पंजीयन किया गया जिसमें 07 लोगों को त्वरित लाईसेंस प्रदाय किया गया।

# मेट्टागुड़ा के जंगलों में नक्सल ऑर्डिनेंस फैक्ट्री ध्वस्त, हथियार और विस्फोटक बनाने का बड़ा जखीरा बरामद

संवाददाता

**सुकमा,**। नक्सल प्रभावित सुकमा जिले में सुरक्षा बलों ने एक बार फिर बड़ी कामयाबी हासिल की है। मेट्टागुड़ा कैम्प क्षेत्र में सुरक्षाबलों ने नक्सलियों की एक ऑर्डिनेंस फैक्ट्री का भंडाफोड़ करते हुए उसे मौके पर ही ध्वस्त कर दिया है। यह कार्रवाई जिला बल और 203 कोबरा वाहिनी की संयुक्त टीम द्वारा चलाए जा रहे सर्च ऑपरेशन के दौरान की गई। सुरक्षा बलों की टीम जब मेट्टागुड़ा से सर्चिंग के लिए निकली, तब कोईमेंटा गांव के समीप जंगलों और पहाड़ियों में गहन तलाशी अभियान शुरू किया गया। इसी दौरान जवानों को जंगल के भीतर नक्सलियों की एक बड़ी हथियार निर्माण इकाई की मौजूदगी के संकेत मिले। मौके पर पहुंचते ही सुरक्षाबलों ने इलाके को घेर लिया और फैक्ट्री को ध्वस्त कर भारी

मात्रा में हथियार और उपकरण बरामद किए।

जवानों को वहां से वर्टिकल मिलिंग मशीन, बेंच वाइस, हैंड ग्राइंडर मशीन, गैस कटर हेड्स और बोरवेल ड्रिलिंग बिट जैसे कई तकनीकी उपकरण मिले हैं, जिनका उपयोग हथियार और विस्फोटक बनाने में किया जाता था। इसके अलावा फैक्ट्री से दो बड़े बीजीएल लांचर, 12 बीजीएल शेल, 94 बीजीएल हेड्स और छह लकड़ी के राइफल बट बरामद हुए हैं।

सुरक्षा बलों ने भरमार ट्रिगर मैकेनिज्म, पिस्टल ग्रिप, डायरेक्शनल IED पाइप्स, मोल्डिंग पॉट्स, आयरन कटर व्हील्स और 80 स्टील पाइप पीस जैसे खतरनाक मटेरियल भी जब्त किए हैं। इसके साथ ही मौके से चार सोलर बैटरियां, आयरन स्टैंड, टूल्स और बड़ी मात्रा में आयरन स्क्रैप भी बरामद किया गया है, जो इस बात की पुष्टि करता है कि यह ठिकाना नक्सलियों की एक प्रमुख हथियार निर्माण इकाई था। सुरक्षा एजेंसियां अब इस बरामदगी को लेकर विस्तृत जांच में जुट गई हैं। यह ऑपरेशन नक्सलियों के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है, क्योंकि इससे उनके हथियार सप्लाई चैन को गहरा नुकसान पहुंचा है। सुरक्षाबलों का कहना है कि जंगलों में ऐसी और भी फैक्ट्रियों की तलाश जारी है और भविष्य में इस तरह की और भी कार्रवाई की जाएगी।

## युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान द्वारा प्रशिक्षण का आयोजन

रायपुर, (आरएनएस)।

लाइवलीहुड कॉलेज, जोरा (रायपुर) में उद्यमिता विकास केंद्र द्वारा सूक्ष्म उद्यम विकास कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। यह एक दिवसीय कार्यक्रम छत्तीसगढ़ शासन के वाणिज्य एवं उद्योग विभाग तथा भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (EDII), अहमदाबाद के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ सहायक जिला परियोजना अधिकारी त्रह्मा पाठक द्वारा किया गया। उद्घाटन अवसर पर जिला उद्योग केंद्र रायपुर के प्रबंधक संदीप वर्मा, डेविड देशमुख, अभिषेक मैत्री (Pd.D शोधकर्ता), विक्की प्रसाद , तथा भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान से सीनियर प्रोजेक्ट ऑफिसर अरविंद कुमार द्विवेदी, डॉ. संदीप यादव (प्रोजेक्ट ऑफिसर) और हिमांशु कुमार (प्रोजेक्ट ऑफिसर) उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं और इच्छुक प्रतिभागियों को सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (रूस्रूश्व) क्षेत्र में स्वरोजगार एवं उद्यमिता के अवसरों के लिए तैयार करना था। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को उद्यमिता, व्यवसाय योजना निर्माण, विपणन रणनीतियाँ, वित्तीय प्रबंधन, शासकीय योजनाएँ एवं डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म के उपयोग जैसी महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान की गईं। कार्यक्रम के दौरान विशेष रूप से संदीप वर्मा ने विभिन्न शासकीय योजनाओं पर विस्तार से जानकारी साझा की। इस अवसर पर अरविंद कुमार द्विवेदी ने कहा÷यह कार्यक्रम स्थानीय स्तर पर आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इसका उद्देश्य युवाओं को रोजगारदाता बनने के लिए प्रेरित करना है ताकि वे आत्मनिर्भर बनें और अपना स्वयं का व्यवसाय शुरू कर सकें। यह पहल युवाओं में उद्यमिता की भावना को बढ़ावा देने और स्वरोजगार के नए अवसर सृजित करने की दिशा में एक सशक्त कदम साबित होगी।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा अस्मा पब्लिशर्स इण्डिया प्राईवेट लि.,जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित कर तथा 5/756 रामसागरपारा, सिंधी स्कूल के पीछे, स्टेशनरी हाऊस, रायपुर 492001 (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक प्रेमेन्द्र अग्रवाल ।
www.lokshakti.in, lokshaktidaily@gmail.com, twitter.com/lokshaktidaily, facebook.com/lokshaktidaily कार्यकारी संपादक : राजेश अग्रवाल (किसी भी विवाद पर न्यायालय क्षेत्र रायपुर होगा)